वर्ष-10//अंक-20// मई 2023

ISSN 2454–5805

₹20/-

आम आदमी पत्रिका®

एक आम इंसान की सोच

RNI NO.: CHHHIN/2013/50684

कांग्रेस के साये में नंद कुमार साय

पशुपालकों के लिए खुशखबरी सरकार दे रही 3 लाख रुपये

AIIMS तैयार करेगा रोबोटिक सर्जन

→12

छत्तीसगढ़ में बोरे-बासी खाओ अभियान

→18

महिलाओं को सशक्त बना रही भूपेश सरकार

→31

किसानों की वर्षों से लंबित भू-अर्जन मुआवजा राशि मिली

Taste Our Delicious Food at your Doorstep!

Order on SWIGGY zomato

www.chaisignal.com

Shop No.24, Katora Talab Garden, Raipur (C.G.)

Follow Us:

आम आदमी पत्रिका

वर्ष-10//अंक-20// मई 2023

प्रबंध संपादक : उमेश के बंसी

सर्कुलेशन इंचार्ज : प्रकाश बंसी

रिपोर्टर : नेहा श्रीवास्तव

कंटेंट राईटर : प्रशांत पारीक

क्रिएटिव डिजाइनर : देवेन्द्र देवांगन

मैग्जीन डिज़ाइनर : युनिक ग्राफिक्स

मार्केटिंग मैनेजर : किरण नायक

एडमिनिस्ट्रेशन : निरूपमा मिश्रा

अकाउंट असिस्टेंट : प्रियंका सिंह

ऑफिस कॉर्डिनेटर : योगेन्द्र बिसेन

प्रधान कार्यालय

965/1 कक्कड़ चौक, श्याम नगर रोड,
कटोरा तालाब,रायपुर, छत्तीसगढ़

फोन : 0771-4044047

ईल : khabar@aamaadmi.in

कार्यालय

प्लाट नं.118, कंचन बाग, राजनांदगांव

प्रकाशक

उमेश कुमार बंसी, क्वाटर नंबर 10, एम.एम.
रियल स्टेट कॉलोनी, अमलीडीह, रायपुर
(छत्तीसगढ़) से प्रकाशित एवं मुद्रित

विशेष- इस पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिये गए विचार, लेखकों के अपने है। इसमें संपादक / मुद्रक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में संपादक / मुद्रक जिम्मेदार नहीं होगा। इस पत्रिका से संबंधित किसी भी विवाद के लिए सुनवाई क्षेत्र रायपुर न्यायालय होगा।

अनुक्रमणिका

मई 2023

इस अंक में

रायपुर. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर प्रदेश में कुपोषण मुक्ति के लिए अभियान चलाया जा रहा है. अभियान के तहत दूरस्थ आदिवासी और पिछड़े इलाकों में बच्चों के कुपोषण मुक्ति के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं. इसके उल्लेखनीय परिणाम सामने आए हैं. जशपुर जिले में लगभग 600 कुपोषित बच्चे कुपोषण के दुष्चक्र से बाहर आ गए है. गौरतलब है कि मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान से प्रदेश में लगभग 2 लाख 65 हजार बच्चे कुपोषण मुक्त हो चुके हैं. 30

राष्ट्रीय उद्यान से लगे गांवों तक अब राजकीय पक्षी की गूंज रही मीठी बोली 14

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के मैना मित्र तथा वन विभाग के फ्रंट लाइन स्टाफ के निरंतर प्रयास से अब बस्तर पहाड़ी मैना की संख्या में वृद्धि होने लगी है.

बाड़ी विकास योजना से लखपति बना समूह 16

रायपुर. छत्तीसगढ़ की महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही हैं. अपनी तकदीर खुद बदल रही हैं. सरकार की योजनाओं का लाभ उठा रही हैं.

जंगल को आग की लपटों से बचाने महिलाओं ने पेश की मिसाल 20

जंगल को आग की लपटों से बचा रही हरियाली के प्रतीक स्वरूप हरे रंग की साड़ी पहने बेलतरा सर्किल के अंतर्गत जय मां शारदा महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं का.

एयर इंडिया की बड़ी प्लानिंग ५०० और नए विमान लाने की तैयारी 22

टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन एयर इंडिया आने वाले समय में 1000 से अधिक पदों पर नई भर्तियां करेगी.

कौन हैं अंकित यादव जो छत्तीसगढ़ से भरते है सबसे ज्यादा टैक्स! 11

छत्तीसगढ़ में जन्मे देश के मशहूर जाने माने फंड मैनेजर अंकित यादव ने एक बार फिर कमाल किया है. उन्होंने पिछले वित्तीय वर्ष रिवॉर्ड टैक्स पटाया है.

कैसे हो सजा-ए-मौत? केंद्र बनाएगा कमिटी 33

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि मौत की सजा के लिए कम दर्दनाक तरीका खोजने के लिए एक्सपर्ट कमिटी गठित करने पर विचार कर रही है.

आतंकवाद के सभी स्वरूपों का खात्मा किया जाए

उमेश के बंसी
(प्रबंध संपादक)

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान के अपने समकक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी की मौजूदगी में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में दो टूक कहा कि बिना किसी भेदभाव के आतंकवाद के सभी स्वरूपों और इसके वित्तपोषण को रोकना चाहिए. साथ ही कहा कि सीमापार आतंकवाद समेत इसके सभी स्वरूपों का खात्मा किया जाना चाहिए.

गोवा के बीच रिसॉर्ट में चीन के विदेश मंत्री किन गैंग, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और एससीओ के अन्य देशों के उनके समकक्षों ने बैठक की. सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए जयशंकर ने अफगानिस्तान की स्थिति और कोविड-19 महामारी के प्रभाव के साथ-साथ ऊर्जा, भोजन और उर्वरकों की आपूर्ति को प्रभावित करने वाली भू-राजनीतिक उथल-पुथल के परिणामों पर भी चर्चा की.

जयशंकर ने परोक्ष रूप से पाकिस्तान की ओर इशारा करते हुए कहा कि आतंकवाद की अनदेखी करना समूह के सुरक्षा हितों के लिए हानिकारक होगा और जब दुनिया कोविड-19 महामारी और उसके प्रभावों से निपटने में लगी थी, तब भी आतंकवाद की समस्या ज्यों की त्यों बनी रही. विदेश मंत्री ने कहा कि भारत का दृढ़ विश्वास है कि आतंकवाद को बिल्कुल उचित नहीं ठहराया जा सकता है. चीन की बेल्ट एंड रोड पहल को लेकर बढ़ती आलोचना के बीच जयशंकर ने कहा कि विकास के साथ सभी सदस्य देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को ध्यान में रखना चाहिए.

फिक्स्ड डिपॉजिट के साथ RD के ब्याज दरों में बढ़ोतरी

रायपुर. पिछले कुछ समय से बैंक कर्ज महंगा होने के अलावा बैंक योजनाओं में भी रिकॉर्ड बढ़ोतरी देखी गई है. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक समेत कई बड़े बैंकों ने फिक्स्ड डिपॉजिट के साथ-साथ रेकरिंग डिपॉजिट यानी आरडी पर भी ब्याज बढ़ा दिया है.मौजूदा समय में ये बैंक आरडी पर पहले से ज्यादा ब्याज ऑफर कर रहे हैं. ये ब्याज दरें अलग-अलग कार्यकाल के लिए बैंक से बैंक में भिन्न हो सकती हैं. अगर आप भी आरडी में निवेश करने का मन बना रहे हैं तो आइए जानते हैं कि किस बैंक में आपको ज्यादा ब्याज मिल रहा है.

एसबीआई आरडी ब्याज दर

देश का मुख्य बैंक SBI 12 से 120 महीने तक की अवधि पर 6.80 और 7 फीसदी की दर से ब्याज दे रहा है. इसमें हर महीने कम से कम 100 रुपये का निवेश किया जा सकता है. ये ब्याज दरें 15 फरवरी 2023 से प्रभावी हैं. बैंक ऐसी स्थिति में खाता बंद कर सकता है, जब जमाकर्ता द्वारा छठी किस्त का भुगतान नहीं किया जाता है और जमा किए गए पैसे वापस कर दिए जाते हैं.

पीएनबी बैंक आरडी ब्याज दर

इस बैंक के ग्राहकों को 6 महीने और 10 साल की मैच्योरिटी वाली RD पर 5.5 फीसदी से लेकर 7.25 फीसदी तक का ब्याज दिया जा रहा है. यह 20 फरवरी से लागू है.

एचडीएफसी बैंक आरडी ब्याज

निजी क्षेत्र का यह बैंक आरडी पर 4.5 और 7.10 फीसदी की ब्याज दर दे रहा है, जिसकी अवधि 6 महीने से 120 महीने के बीच है. 15 महीने की अवधि पर 7.10 फीसदी ब्याज 24 फरवरी 2023 से प्रभावी है. यह ब्याज दर आम लोगों के लिए है.

यस बैंक आरडी ब्याज दर

यस बैंक 6 प्रतिशत और 7.50 प्रतिशत ब्याज की पेशकश कर रहा है, जो नियमित ग्राहकों के लिए 6 महीने से 10 साल तक के कार्यकाल के लिए प्रभावी है. इसके हित में आखिरी बदलाव 21 फरवरी को हुआ था.

आईसीआईसीआई बैंक

इस बैंक की आरडी पर 4.75 और 7.10 फीसदी का ब्याज नियमित ग्राहकों को 6 महीने से 10 साल तक की अवधि पर दिया जा रहा है. इसमें आप कम से कम 500 रुपये का निवेश कर सकते हैं. ये दरें 24 फरवरी से प्रभावी हैं.

बच्चों के शरीर के विकास के लिए जरूरी है कि उन्हें सही मात्रा में पोषण मिलें. कई बच्चे सुबह उठकर कुछ नदीमंसजील चीजें खा लेते है या फिर काफी समय तक भूखे ही रहते है. ये दोनों की चीजें सेहत के लिए बुरी मानी जाती है. ऐसे में शरीर को हेल्दी रखने के लिए बच्चों को सुबह खाली पेट कुछ चीजें खिलाई जा सकती हैं. ये चीजें खाने से बच्चों का शरीर हेल्दी रहेगा और मौसमी बीमारियों से भी शरीर की रक्षा होगी. ये खाने से बच्चों में भूख भी बढ़ेगी. ऐसे में अगर आप भी बच्चे के शरीर को स्वस्थ रखना चाहते है, तो उन्हें सुबह खाली पेट ये चीजें उन्हें जरूर खिलाएं.

बच्चों को सुबह सुबह खाली पेट ये चीजें खिलाएँ-पिलाए

केला

केला शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है. केले में प्रचुर मात्रा में कार्बोहाइड्रेट, जिंक, सोडियम और आयरन में पाया जाता हैं. बच्चों को सुबह खाली पेट केला देने से बच्चों का वजन भी बढ़ता है और हड्डियों को मजबूत करके इम्यूनिटी को भी बढ़ाता है. बच्चों को सुबह खाली पेट रोज केला दिया जा सकता है.

गुनगुना पानी

सुबह उठकर बच्चों को खाली पेट गुनगुना पानी देने से शरीर हेल्दी रहता है और मौसमी बीमारियों से भी शरीर की रक्षा होती हैं. गुनगुना पानी पीने से मेटाबॉलिजम बूस्ट होता है और शरीर भी लंबे समय तक हेल्दी रहता है.

बादाम

बादाम शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है. इसमें प्रचुर मात्रा में प्रोटीन,आयरन, फाइबर और विटामिनम् पाए जाते हैं. बादाम खाने से बच्चों की यादाश्त बढ़ती है और शरीर भी हेल्दी होता है. बादाम खाने से बच्चों की इम्यूनिटी भी मजबूत होती है.

सेब

सेब शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है. इसमें आयरन, कैल्शियम, पोटेशियम और जिंक आदि भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं. बच्चों को सुबह खाली पेट सेब देने से उनकी इम्यूनिटी मजबूत होती है और आंखों की रोशनी भी तेज होती है. बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए उन्हें सुबह खाली पेट सेब अवश्य खिलाएं.

आंवले का मुरब्बा

आंवले का मुरब्बा पोषक तत्वों का खजाना होता है. इसमें प्रचुर मात्रा में कैल्शियम, आयरन, पोटेशियम और विटामिन C होता हैं. बच्चों को सुबह खाली पेट आंवले का मुरब्बा खिलाने से उनकी आंखों की रोशनी तेज होने के साथ उनका पेट भी हेल्दी रहता है. ये बच्चों में मौसमी बीमारियां होने के खतरे को भी कम करता हैं.

जल्द ही एक नए कलर में दिखेगा iPhone 14

Apple हर साल मार्च में अपनी मौजूदा iPhone सीरीज का एक नया वेरियंट पेश करता है. पिछले साल एपल ने आईफोन 12 सीरीज का पर्पल कलर पेश किया था और अब कंपनी iPhone 14 को एक नए कलर में लॉन्च करने की तैयारी कर रही है. iPhone 13 सीरीज के फोन को मार्च 2022 में ग्रीन कलर में लॉन्च किया गया था. Gizmochina की एक रिपोर्ट के मुताबिक एपल की पीआर टीम अगले सप्ताह iPhone 14 के येलो कलर वेरियंट की ब्रिफिंग करने की प्लानिंग कर रही है. नए कलर से कंपनी को iPhone 14 सीरीज की बिक्री में इजाफा की उम्मीद है. हो सकता है कि कंपनी आईफोन 14 और प्रो मॉडल दोनों के लिए इस नए कलर को लेकर आए.

नए कलर के साथ आने वाले आईफोन 14 के स्पेसिफिकेशन भी पहले जैसे ही होंगे. चाहे वह अगला हफ्ता हो या अगला महीना, ऐप्पल के वैश्विक बाजार में नए कलर का आईफोन 14 लाने की बहुत संभावना है. आईफोन 15 सीरीज के सितंबर 2023 में डेब्यू करने की उम्मीद है.

दरअसल Apple की तरफ से नए कलर को लाने के पीछे मुख्य उद्देश्य सेल को बढ़ाना होता है. हर साल iPhone की नई सीरीज के बाद स्मार्टफोन की सेल में बढ़ोत्तरी आती है. iPhone 14 में 6.1 Inch जबकि iPhone 14 Plus में 6.7 Inch Super Retina XDR Display दी जाती है. दोनों ही स्मार्टफोन में Advance Dual Camera System भी मिलता है, जिसका प्राइमरी कैमरा 12 MP का मिलता है. यानी कैमरे को लेकर भी आपको कोई शिकायत नहीं होने वाली है.

आपका टूथब्रश दे रहा ये संकेत तो तुरंत बदल ले

दांत हमारे शरीर का अहम अंग होता है. इसकी सहायता से ही हम खाने को अच्छी तरह चबा पाते हैं. खाना जितना अच्छे से चबता है पेट को उसे पचाने में उतनी कम मेहनत करनी पड़ती है. मतलब दांत हमारे पाचन तंत्र को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाते हैं. इसलिए ये बेहद जरूरी है कि आप दांतों की अच्छे से देखभाल करें. दांतों की साफ सफाई करने के लिए ब्रश बेस्ट होते हैं. डॉक्टर भी सभी को सुबह और रात दिन में दो बार ब्रश करने की सलाह देते हैं.

अब ब्रश तो आज के जमाने में हर कोई करता है. लेकिन दिक्कत ये है कि एक ही ब्रश को वे कई महीनों तक घिसते रहते हैं. लोगों को अपना ब्रश बदलना याद ही नहीं रहता है. यदि आप एक ही ब्रश को अधिक समय तक इस्तेमाल करते हैं तो इससे आपके दांत और मसूड़ों को नुकसान पहुंच सकता है. इसलिए ये बेहद जरूरी है कि आप समय समय पर अपना ब्रश बदलते रहे. लेकिन अब एक सवाल ये भी खड़ा होता है कि हमे अपना टूथब्रश कब बदलना चाहिए? आज हम इसी बारे में आपको बताएंगे.

ब्रिसल टूटने पर

ब्रश की हेल्थ की जानकारी आप उसके ब्रिसल से लगा सकते हैं. यदि ये ब्रिसल टूटना शुरू हो गए हैं तो समय आ गया है कि आप अपना टूथब्रश बदल लें. टूटे हुए ब्रिसल वाले ब्रश से दांत की सफाई करना नुकसानदायक हो सकता है. ऐसे ब्रश के इस्तेमाल से कई बार मसूड़ों से खून आने लगता है.

बीमारी के बाद बदले

यदि आपको सर्दी-खांसी बुखार या फंगस से संबंधित कोई बीमारी हुई है तो भी आपका उस बीमारी से ठीक होने के बाद ब्रश बदल देना चाहिए. दरअसल ब्रश में आपकी बीमारी के किटाणु चिपके हो सकते हैं. ये आपको दोबारा बीमार कर सकते हैं. इसलिए इन्हें बदलना ही बेहतर ऑप्शन है.

3 महीने हो जाए तो बदल दे

यदि आपका ब्रश 3 से 4 महीने पुराना है तो भी आपको इसे बदल देना चाहिए. फिर भले आपका ब्रश खराब न हुआ हो. लोगों को हर तीन से चार महीने में अपना ब्रश बदलने की सलाह दी गई है.

अपना ब्रश अलग ही रखे

एक और चीज का ध्यान रखें कि अपना ब्रश परिवार के दुसरे लोगों के ब्रश से दूर ही रखें. अक्सर यही देखा जाता है कि परिवार अपने सभी सदस्यों के ब्रश एक साथ ही रखता है. लेकिन ऐसा करना खतरनाक साबित हो सकता है. यदि परिवार में कोई सदस्य बीमार हुआ तो बाकी लोगों के बीमार होने के चांस बढ़ जाते हैं

सफेद परत जमने पर अलग करे

ब्रश के ब्रिसल के निचले हिस्से में यदि सफेद परत जमना शुरू हो जाए तो आपको अपना ब्रश बदल देना चाहिए. इस जगह कई किटाणु पनप सकते हैं जो आपके मुंह में जाने पर आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं.

काम से थका आया है पति, कभी भी न छेड़े ये बातें सही समय देखकर ही निकालें ये Toipc

हर इंसान को अपना घर बहुत प्यारा होता हैं जहां वह दिनभर काम करके जब पहुंचता हैं, तो सुकून के कुछ पल बिताने की चाहत रखता हैं. वहीं जब पति दिनभर काम करके थका हुआ घर लौटता हैं और पत्नी कुछ मु9ों को लेकर बहस करने लगती हैं तो यही घर उसे काटने को दौड़ता हैं. कहते हैं हर बात को कहने का सही समय होता हैं और गलत वक्त पर कही गई बात सही होने के बावजूद भी गलत लगने लगती है. यही होता हैं रिलेशनशिप में जब पार्टनर का मूड सही नहीं होता और उस समय अगर आप कोई बात कहते हैं तो लड़ाई का कारण बन जाता है, खासतौर से जब वह ऑफिस से काम करके थका हुआ आया हो. तो आइये जानते हैं कौनसी हैं वो बातें जो पति के घर आते ही नहीं करनी चाहिए.

आते ही न बताएं कोई काम

कोई इंसान अगर ऑफिस से थका-हारा अगर घर लौट रहा है तो इस बात का ध्यान रखें कि पहले उसे थोड़ा आराम करने दें और थोड़ी देर बाद ही कोई काम बताएं. किसी को भी दफ्तर से लौटने के तुरंत बाद कोई काम न कहें जब तक वो बहुत ज्यादा जरूरी न हो.

ससुरालवालों की शिकायत

हो सकता है आप दिन भर अपने ससुरालवालों की कोई बात दिल से लगाकर बैठी हों और अपने पति के आने का इंतजार कर रही हों ताकि उनसे वो बात कहकर आप अपना मन हल्का कर सकें लेकिन फिर भी आपको इस बात का खयाल रखना है कि अपने पति के ऑफिस से लौटते ही उनसे किसी की शिकायत न करने लग जाएं. ऐसा करने से न सिर्फ उनका मूड ऑफ होगा बल्कि हो सकता है वो आप पर ही भड़क जाएं. ऐसे में थोड़ा इंतजार करें और बाद में धीरे से अपने दिल की बात कहें.

लौटते ही न करें लड़ाई

अगर आपका पार्टनर दफ्तर से लौटकर आया है तो वो पहले से ही बहुत थका हुआ होगा ऐसे में उन्हें आराम करने का समय दें न कि उनसे किसी बात पर कोई बहस शुरू कर दें. ऐसा करने से आप दोनों के रिश्ते में खटास आ सकती है. अपने पार्टनर की सेहत का खयाल रखिए और दफ्तर से लौटने के बाद उन्हें लड़कर परेशान न करें.

खर्चों पर बात करना

घर आते ही कपल खर्चों से जुड़ी बातें न करें. इसके लिए सही समय का तय कर लें. बजट, पैसों के हिसाब किताब को करने का एक उचित वक्त होता है. ऑफिस से आते ही अगर आप खर्चों पर चर्चा करने लगेंगे तो वह बहस में तब्दील कर सकते हैं.

गलतियां निकालना

बाहर से घर आते ही अपने पार्टनर की गलतियों पर बात न करें. अगर आपको उनकी कोई बात बुरी लगी हो या किसी बात से परेशान हों तो भी ऑफिस से घर आकर तुरंत उनकी गलतियों पर चर्चा करने न बैठ जाएं. ऐसा करने से आप दोनों में विवाद हो सकता है.

ट्रैवलिंग के दौरान इस तरह रखें अपनी स्किन का ख्याल

रायपुर. ट्रैवलिंग के दौरान डेली स्किन केयर की दिनचर्या अक्सर बिगड़ जाती है और आप अलग-अलग मौसम और पर्यावरण की स्थितियों के संपर्क में भी आते है, जो स्किन के स्वास्थ्य को प्रभावित करने का मुख्य कारण है. कभी तेज धूप तो कभी ठंड के संपर्क में स्किन आती है, जिससे त्वचा को बहुत नुकसान होता है. इन सब समस्याओं से अपनी त्वचा को सुरक्षित रखने के लिए आप कुछ उत्पादों को अपने पास हमेशा रखें और उनका इस्तेमाल समय-समय पर करते रहें. आइए आज हम आपको यात्रा के दौरान त्वचा का ध्यान रखने के तरीके बताते हैं.

त्वचा को हाइड्रेट रखे

यात्रा के दौरान जितना हो सके त्वचा को अंदर से हाइड्रेट करने की कोशिश करें और इसके लिए अपने स्किन केयर रूटीन में हायलूरोनिक एसिड और रेटिनॉल से युक्त प्रोडक्ट्स को शामिल करना लाभदायक हो सकता है. ऐसे ब्यूटी प्रोडक्ट्स त्वचा की मरम्मत करने, त्वचा को हाइड्रेट रखने, सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से बचाने और मॉइस्चराइज रखने में काफी मदद कर सकते हैं. इसके अलावा ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं और लस्सी, दही, नारियल पानी और नींबू पानी का भी नियमित रूप से सेवन करें.

मेकअप से बनाएं थोड़ी दूरी

यात्रा के दौरान मेकअप से थोड़ी दूरी बना लें तो यह आपकी त्वचा के लिए काफी लाभदायक साबित हो सकता है.दरअसल, प्रदूषण और गंदगी यात्रा का एक हिस्सा है और गंदगी के कण मेकअप से चिपकते हैं जिससे आपकी त्वचा को बाद में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है.इसलिए बेहतर यही होगा कि आप लंबी यात्रा के दौरान मेकअप का बहुत अधिक इस्तेमाल न करें.

मॉइस्चराइजर को न भूलें

एक अच्छा फेस मॉइस्चराइजर आपकी त्वचा के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है. इसके लिए आप फेस सीरम या फिर फेस ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं, जो त्वचा को मॉइस्चराइज करके रूखेपन के कारण होने वाले समस्याओं से बचाता है.अगर आप एसी ट्रेन से यात्रा कर रहे हैं तो हवा से त्वचा को रूखा होने से बचाने के लिए कुछ घंटों के अंतराल पर आप इन प्रोडक्टस का इस्तेमाल करें.

शीट मास्क रखें साथ

आप ट्रैवल के दौरान अपनी स्किन को एक्स्ट्रा केयर देना चाहते हैं, तो साथ में सुपर हाइड्रेटिंग शीट मास्क कैरी करें. आप इसे रात में सोने से पहले चेहरे पर लगा सकते हैं. ये रात भर में आपकी स्किन को दोबारा से रिजूवनेट कर देगा.

फेशियल वाइप्स रखें पास

यदि आप फेस क्लींजर अपने पास नहीं रखना चाहते हैं या होटल से मिलने वाले क्लींजर का इस्तेमाल नहीं करना चाहते हैं तो फेशियल वाइप्स आपके लिए सबसे अच्छे विकल्प हैं. इन्हें अपने साथ किसी बैग में कैरी करें.आप इनका इस्तेमाल कहीं भी कर सकते हैं, फिर चाहे हवाई यात्रा हो या बस. इसके अतिरिक्त अपने पास एक छोटा अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार फेस क्लींजर भी जरूर रखें.

बार-बार चेहरा न छुएं

यह एक सामान्य, लेकिन बेहद महत्वपूर्ण बात है कि यात्रा करते समय जितना संभव हो सके उतना अपने चेहरे को छूने से बचें.दरअसल, यात्रा में आपके हाथ में कई तरह बैक्टीरिया हो सकते हैं, जिनसे कई तरह की त्वचा संबंधित समस्याओं को बढ़ावा मिल सकता है. इसके अलावा अपने हाथों को बार-बार साबुन और पानी या हैंड सैनिटाइजर से साफ करें ताकि वे बैक्टीरिया से मुक्त रहें.

ये एक्सेसरीज हैं जरूरी

ट्रैवल के दौरान हमेशा सनग्लास, स्कार्फ और कैप या हैट, छाता का इस्तेमाल करें.इनके इस्तेमाल से आप धूप के प्रभाव से बचे रहेंगे और स्किन टैनिंग और सनबर्न नहीं होगा.

मिलिए छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े टैक्स पेयर अंकित यादव से जो शेयर बाजार से भरते है सालाना रिकार्ड तोड़ टैक्स

छत्तीसगढ़ में जन्मे देश के मशहूर जाने माने फंड मैनेजर अंकित यादव ने एक बार फिर कमाल किया है. उन्होंने पिछले वित्तीय वर्ष रिवॉर्ड टैक्स पटाया है और पूरे देश में छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है. मीडिया हाउस जैसे क्रॉनिकल और जी बिजनेस (डीएनए न्यूज) के मुताबिक छत्तीसगढ़ के अंकित यादव देश के सबसे युवा MILLIONAIRE है इसके साथ साथ ही वो टैक्स पटाने के मामले में भी उनकी गिनती उच्चतम सर्वाधिक कर पटाने वालो में शुमार होती है जिसकी अधिकारिक जानकरी आप इन वेबसाइट से भी ले सकते हैं.

FY 2023 में अंकित ने पटाया रिकॉर्ड टैक्स!

अंकित ने पिछले वर्ष रिकॉर्ड टैक्स पटाया है. रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने तकरीबन हर महीने 8 -15 लाख के बीच INDIVIDUAL TAX पटाया है. जिससे पिछले 31 मार्च को खत्म हुए वित्य वर्ष उनकी ANNUAL RETURN 1 करोड़ से ऊपर पहुंच गयी है, और अंकित यादव फिर से इस साल भी छत्तीसगढ़ राज्य के बड़े INDIVIDIAL TAX PAYER रहे.

जाने कितनी है अंकित की कमाई ? उड़ा सकती है आपके होश

मीडिया हाउस STARSUNFOLD के VERIFIED ACCOUNT के मुताबिक छत्तीसगढ़ के अंकित यादव की कुल वार्षिक कमाई 10 से 15 करोड़ के बीच है , अंकित की ज्यादातर कमाई शेयर बाजार से ही होती है .उनके महीने की कमाई 50 लाख से 1 करोड़ के बीच आकी गयी है . भिलाई का ये युवा लगातार देश विदेश में आज छत्तीसगढ़ का नाम ऊंचा कर रहा है .

जानिये अंकित का कार कलेक्शन अंकित को पसंद है लक्जरी जर्मन कार

अंकित के पास बहुत सारे लक्जरी जर्मन कार का कलेक्शन है, जिन्हे लोग लगातार भिलाई के सड़कों पे दौड़ते देखते हैं. डीएनए इंडिया के मुताबिक अंकित के पास मर्सिडीज बेंज सेडान है, ऑडी कार है, बीएमडब्ल्यू लिमोसिन है. इसके अलावा एसयूवी में एमजी हेक्टर है, स्कोडा है और उन्हें कई बार अलग-अलग कारो में भिलाई में देखा गया है.

अंकित जीते है आम जिंदगी ! पसंद है सादा जीवन

करोड़ों के मलिक होने के बावजूद छत्तीसगढ़ के सबसे अधिक टैक्स पेयर होने के बावजूद अंकित चका चौंध वाली दुनिया से दूर रहते हैं. उन्हें बहुत कम देखा जाता है लेकिन जब भी वो भिलाई आते हैं, अपने माता पिता के साथ दिखाई देते हैं. उसी घर में रहते हैं जहां पर उनका जन्म हुआ था. अंकित की सादगी भरी जीवन याद दिलाती है एक कहावत "वो कहते हैं ना पेड़ चाहे, कितना भी बड़ा क्यों न हो जाए, अपनी जड़े नहीं भुलता."

छत्तीसगढ़ में बोरे-बासी खाओ अभियान: मजदूर दिवस पर श्रमिकों के सम्मान के लिए अनूठी पहल

रायपुर. छत्तीसगढ़ के तीज-त्योहार सरकारी तौर पर मनाने की शुरुआत करने के बाद राज्य सरकार ने आहार को भी छत्तीसगढ़िया गौरव से जोड़ दिया है. शुरुआत किसानों-मजदूरों का आहार कहे जाने वाले बोरे-बासी से हो रही है. मजदूर दिवस यानी एक मई को श्रम को सम्मान देने के लिए सभी से बोरे बासी खाने की अपील की है. हर छत्तीसगढ़िया के आहार में बोरे बासी का कितना महत्व है. हमारे श्रमिक भाइयों, किसान भाइयों और हर काम में कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाली हमारी बहनों के पसीने की हर बूंद में बासी की महक है. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, जब हम कहते हैं कि 'बटकी में बासी अउ चुटकी में नून' तो यह सिंगार हमें हमारी संस्कृति से जोड़ता है. डॉ. खूबचंद बघेल ने भी खूब कहा है, 'गजब विटामिन भरे हुए हे छत्तीसगढ़ के बासी मा' मुख्यमंत्री ने कहा, युवा पीढ़ी को हमारे आहार और संस्कृति के गौरव का एहसास कराना बहुत जरूरी है. एक मई को हम सब बोरे बासी के साथ आमा के अथान और गोंदली के साथ हर घर में बोरे बासी खाएं और अपनी संस्कृति और विरासत पर गर्व महसूस करें.

क्या है यह बोरे बासी

बोरे बासी छतीसगढ़ का प्रमुख और प्रचलित व्यंजन है. बोरे बासी का मतलब होता है रात के पके चावल को रात को भिगो कर या सुबह भिगो कर खाना या सुबह के पके चावल को दोपहर में खाना. इसमें स्वादानुसार नमक मिलाया जाता है. फिर सब्जी, प्याज, आचार, पापड़, बिजौरी इत्यादि के साथ खाया जाता है. कई बार लोग केवल नमक और प्याज से बासी खाते हैं. बोरे का अर्थ है सुबह के चावल को पानी में भिगोए रखना और बासी का मतलब है रात के बचे चावल को पानी में भिगोकर रात भर रखना उसे कहते हैं बासी इसका अर्थ हो जाता है बोरे बासी. गर्मी के दिनों में बोरे बासी शरीर को ठंडा रखता है. पाचन शक्ति बढ़ाता है. त्वचा की कोमलता और वजन संतुलित करने में भी यह रामबाण है. बोरे बासी में सारे पोषक तत्व मौजूद होते हैं. बोरे बासी यानी बासी चावल जिसका स्वाद चावल से कई गुना बदल जाता है

एवं स्वादिष्ट लगने लगता है बोरे बासी को तैयार करने के लिए सबसे पहले चावल पकाकर उसे रात को पानी में डालकर एवं छोड़ दिया जाता है तब उसे सुबह वह चावल बासी के रूप में प्राप्त होता है . और बासी एक छत्तीसगढ़ की प्रमुख व्यंजन है जिसे गर्मी के समय में पेट पूजा के लिए एवं भोजन का मुख्य व्यंजन है, बोरे –बासी त्वचा को स्वस्थ एवं शरीर में किसी भी बीमारी को दूर करने में सहायक प्रदान करता है एवं विटामिंस सी विटामिन की मात्रा सबसे ज्यादा होती है ,और इसमें बोरे बासी हमारे ही राज्य में नहीं अन्य राज्यों में एवं अमेरिका जैसे देशों में रहने वाले भारतीयों द्वारा भी खाया जाता है.

बोरे-बासी में विटामिन भरपूर

विटामिन बी-12 की प्रचूर मात्रा के साथ-साथ बोरे बासी में आयरन, पोटेशियम, कैल्शियम की मात्रा भरपूर होती है. इसे खाने से पाचन क्रिया सही रहती है और शरीर में ठंडक रहती है. ब्लड और हाइपरटेंशन को नियंत्रित करने का भी काम करती है. गर्मी के दिनों में बोरे-बासी शरीर को ठंडा रखती है. पाचन शक्ति बढ़ाती है. त्वचा की कोमलता और वजन संतुलित करने में भी यह रामबाण है. बोरे-बासी में सारे पोषक तत्व मौजूद होते हैं.

बासी खाने से लाभ

बासी खाने से होंठ नहीं फटते, पाचन तंत्र को सुधारता है. इसमें पानी भरपूर होता है, जिससे गर्मी के मौसम में ठंडक मिलती लू से बचाता है. पानी मूत्र विसर्जन क्रिया को बढ़ाता है जिससे ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है. पथरी और मूत्र संस्थान की दूसरी बीमारियों से बचाता है. चेहरे के साथ पूरी त्वचा में चमक पैदा करता है. पानी और मांड के कारण ऐसा होता है. कब्ज, गैस और बवासीर से दूर रखता है. मोटापे से बचाता है. मांसपेशियों को ताकत देता है.

बोरे-बासी से जुड़ी रोचक बातें-

स्कूल में बच्चे गुरुजी से छुट्टी मांगने के लिए कहते हैं- बासी खाए बर जाहूं गुरुजी. छत्तीसगढ़ी कहावत है- बासी के नून नई हटे. यानी गई हुई इज्जत वापस नहीं आती.बासी का चावल अंगाकर, पान रोटी या फरा बनाने के भी काम आता है. बची हुई बासी खड़ा नमक मिलाकर पशुओं को दे दी जाती है.

राष्ट्रीय उद्यान से लगे गांवों तक अब राजकीय पक्षी की गूंज रही मीठी बोली

राष्ट्रीय उद्यान

- **छत्तीसगढ़ की राजकीय पक्षी है 'पहाड़ी मैना'**
- **स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित कर बनाया गया है मैना मित्र**
- **मैना संरक्षण एवं संवर्धन को मिला बढ़ावा**
- **जिन बच्चों के हाथ में पहले थे गुलेल, अब उनमें देखा जा रहा दूरबीन**

राजकीय पक्षी की गूंज रही मीठी बोली

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के मैना मित्र तथा वन विभाग के फ्रंट लाइन स्टाफ के निरंतर प्रयास से अब बस्तर पहाड़ी मैना की संख्या में वृद्धि होने से आस-पास के ग्रामों में भी उनकी मीठी बोली गूंजने लगी है. ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ के राजकीय पक्षी पहाड़ी मैना का प्राकृतिक रहवास कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान ही है. यहां लगभग एक साल से स्थानीय समुदाय के युवाओं को प्रशिक्षण देकर मैना मित्र बनाया गया है. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप तथा वन मंत्री मोहम्मद अकबर के कुशल मार्गदर्शन में वन विभाग की पहल पर मैना मित्र पहाड़ी मैना के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए लगातार प्रयासरत है और अब उनकी मेहनत रंग ला रही है. इस संबंध में निदेशक, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान श्री धम्मशील गणवीर ने बताया कि कैम्पा योजना अंतर्गत संचालित मैना सरंक्षण एवं संवर्धन प्रोजेक्ट बस्तर पहाड़ी मैना के सरंक्षण के लिए कारगर साबित हुआ है.

प्रोजेक्ट अंतर्गत मैना मित्रों द्वारा कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान से लगे 30 स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. प्रत्येक शनिवार और रविवार स्कूली बच्चों को पक्षी दर्शन के लिए ले जाया जा रहा है, जिससे उनके व्यवहार में बदलाव भी देखा जा रहा है. एक समय में जिन बच्चों के हाथ में गुलेल थे अब उनके हाथ में दूरबीन देखा जा रहा है.

उल्लेखनीय है की मैना का रहवास साल के सूखे पेड़ो में होता है, जहां कटफोड़वे घोंसले बनाते है. इसी कड़ी में बस्तर वन मंडल द्वारा साल के सूखे पेड़ों को काटने पर प्रतिबंध लगाया गया है, जिससे मैना का रहवास कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के बाहर भी सुरक्षित हो सके. साथ ही कांगेर घाटी से लगे ग्राम जैसे मांझीपाल, धूडमारास के होमस्टे पर्यटन में पहाड़ी मैना को जोड़ा गया है, जहां पर्यटक पक्षी दर्शन अंतर्गत राजकीय पक्षी को भी देख सकते है. धूड़मरास से धुरवा डेरा के संचालक श्री मानसिंह बघेल कहते है कि मुझे बहुत अच्छा लग रहा है कि पहाड़ी मैना हमारे घर के पास देखने को मिल रही है और उन्हें हम होम स्टे पर्यटन के साथ जोड़कर उसका संरक्षण भी कर रहे हैं.

अभी नेस्टिंग सीजन में पहाड़ी मैना के कई नए घोंसले देखने को मिले, जिसमें अभी पहाड़ी मैना अपने बच्चों को फल और कीड़े खिलाते हुए देखे जा रहे हैं, जिनकी निगरानी मैना मित्रों और फील्ड स्टाफ द्वारा की जा रही है. पहले जहां पहाड़ी मैना की संख्या कम थी, अब वह कई झुंड में नजर आ रही है. स्थानीय समुदायों के योगदान एवं पार्क प्रबंधन के सतत् प्रयास से ही यह मुमकिन हो पाया है.

भूपेश सरकार की पहल और प्रोत्साहन से नवाचार की ओर बढ़े अन्नदाता, अब छत्तीसगढ़ में हो रही सेब की खेती

छत्तीसगढ़ धान उत्पादन के लिए जाना जाता है. यहां की प्रमुख फसल धान है. यही वजह है कि प्रदेश के किसान धान के अलावा दूसरी फसल नहीं लेते थे. यानी साल में सिर्फ एक बार धान की फसल लगाई जाती थी. जिससे किसानों की आय भी सीमित होती थी. लेकिन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल और प्रोत्साहन से अब राज्य के किसान विभिन्न प्रकार की फसलों का उत्पादन कर रहे हैं. अब किसान धान की फसल के अलावा दलहन-तिलहन, कोदो-कुटकी जैसे मिलेट्स, फल और फूलों की भी खेती कर रहे हैं. इतना ही नहीं प्रदेश में कॉफी, काजू, सेब और पान की खेती भी की जा रही है.

अमूमन ये कहा जाता है कि सेब के उत्पादन के लिए ठंडा वातावरण चाहिए होता है, क्योंकि आमतौर पर सेब हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड जैसे कम तापमान वाले राज्यों में होते हैं. लेकिन छत्तीसगढ़ का मौसम गर्म है, जो सेब के लिए अनुकूल नहीं माना जाता. इसकी खेती सपने जैसी है. लेकिन छत्तीसगढ़ के किसानों ने यहां की मिट्टी को अनूकुल बनाते हुए सेब उत्पादन किया है.

गर्म प्रदेशों में भी सेब की खेती संभव

सेब की खेती करने वाले किसान मुकेश गर्ग के मुताबिक उन्हें जानकारी मिली कि हिमाचल प्रदेश में सेब की ऐसी किस्म विकसित हुई है जिसका उत्पादन गर्म वातावरण वाले प्रदेशों में भी किया जाता है. इसके बाद उसने इसके लिए कृषि एवं उद्यानिकी विभाग से संपर्क किया और प्रतापपुर में सेब की नई किस्म के पौधे लगाए. बाकायदा विभाग से प्रशिक्षण भी लिया. नतीजन एक साल की अवधि में ये पौधे चार से छह फीट के हो चुके हैं. यहां तक की कई पेड़ों में फल भी आ चुके हैं.

नवंबर से फरवरी उत्पादन का मुख्य समय

किसान ने बताया कि सेब की फसल लेने का मुख्य समय नवम्बर से फरवरी के बीच होता है. इसके लिए उन्होंने पहले से ही दो बाय दो फीट गड्ढे तैयार करके रखे थे. गड्ढों को दीमक रोधी दवा से उपचारित किया गया था. गड्ढों में गोबर, मिट्टी और थोड़ा सा डीएपी डालकर पानी से भरकर रखे गए थे. इसका फायदा ये होता है कि गड्ढों को जितना बैठना होता है बैठ जाता है और पौधे लगने के बाद इनके रेशे टूटने का डर नहीं होता है. इसके बाद 1-2 दिन में पौधे रोपित कर दिए थे. इनके लिए ज्यादा पानी की आवश्यकता नहीं होती है. केवल गर्मियों में दो से तीन दिन में पानी देना होता है. हालांकि इस बात का ध्यान रखना जरुरी है कि इन पौधों में बारिश के पानी का रुकाव ना हो.

बाड़ी विकास योजना से लखपति बना समूह

रायपुर. छत्तीसगढ़ की महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही हैं. अपनी तकदीर खुद बदल रही हैं. सरकार की योजनाओं का लाभ उठा रही हैं. महिलाएं खेती किसानी से लखपति बन रही हैं. उनकी सफलता को देखने खेतों में लोगों की भीड़ आती है. अब कृषि के क्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं आगे आ रही हैं. सफलता की नई इबारत लिख रही हैं. कुछ ऐसी ही कहानी है कि छत्तीसगढ़ के कोरिया और कांकेर की महिलाओं की कहानी, जिन्होंने हार नहीं मानी और कृषि के जरिए अपना मुकाम हासिल किया. खुद के सात-साथ परिवार की भी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया.

कोरिया में बरबटी-तोरई-लौकी विक्रय से लखपति बना समूह

शासन की नरवा, गरुवा, घुरवा और बाड़ी योजना से ग्रामीण परिवेश में जीवन यापन करने वालों को अच्छा लाभ हो रहा है. योजनांतर्गत बाड़ी विकास कार्यक्रम ने कोरिया जिले के किसानों सहित स्वसहायता समूह की महिलाओं को भी आर्थिक उन्नति की ओर अग्रसर करने में महती भूमिका निभाई है. विकासखण्ड भरतपुर के कासीटोला गौठान की लक्ष्मी स्व सहायता समूह की महिलाएं बाड़ी विकास कार्यक्रम से जुड़कर सप्ताह में 5 से 6 हजार रुपए की अतिरिक्त आमदनी कमा रहीं हैं, जिससे अब तक उन्हें कुल 1 लाख रुपए तक की आय हुई है.

समूह की अध्यक्ष बाबी यादव बताती हैं कि पहले समूह की महिलाएं घरेलु आवश्यकता के अनुसार सब्जियों का उत्पादन करतीं थीं, लेकिन जब से हमें शासन की बाड़ी विकास कार्यक्रम के बारे में जानकारी मिली हमने मिलकर गौठान में सब्जी उत्पादन को आर्थिक गतिविधी के रूप में चुना.

सचिव फुलमती यादव ने बताया कि जिला प्रशासन के मार्गदर्शन एवं उद्यानिकी विभाग के सहयोग से बाड़ी में एक एकड़ में ड्रीप इरिगेशन सिस्टम स्थापित किया गया, जिससे तकनीकी रूप से सब्जी उत्पादन किया जा रहा है. अभी बाड़ी में बरबटी, तोरई, लौकी लगाए गए हैं. महिलाओं द्वारा स्थानीय साप्ताहिक बाजारों के साथ ही बहरासी के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय और छात्रावास में भी विक्रय के लिए सब्जियां भेजी जा रहीं है. अतिरिक्त आर्थिक लाभ प्राप्त होने से समूह की महिलाएं आज बहुत खुश हैं.

उत्तर बस्तर कांकेर की श्यामा बनी लखपति

नरहरपुर विकासखण्ड के ग्राम बादल निवासी कृषक श्यामा बाई नेताम के पास 08 एकड़ जमीन है, जिसमें से 05 एकड़ में धान एवं अन्य फसल की खेती करती थी. शेष 03 एकड़ जमीन बंजर था. उस जमीन में उद्यानिकी फसल लगाने के बारे में योजना बनाई, जिसमें नलकूप, फेंसिंग एवं भूमि समतलीकरण कर उद्यान विभाग के अधिकारी से मिलकर उद्यानिकी फसलों की खेती के साथ-साथ विभाग में संचालित योजनाओं की जानकारी ली.

श्यामा बाई नेताम बताती है कि राज्य पोषित योजना वर्ष 2018-19 अंतर्गत आम विभागीय योजना के तहत रकबा 0.50 हेक्टयर में 50 कलमी आम के पौधों के विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन में रोपण किए. इस योजना में उद्यान विभाग द्वारा 05 हजार 469 रूपये पांच वर्ष तक पौधों के खाद दवाई एवं रखरखाव हेतु अनुदान प्राप्त हुआ.

आम पौधों के बीच में खाली जगहों पर स्वयं के खर्च से नागपुर से कागजी नींबू के 150 पौधे खरीद कर उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों के तकनीकी मार्गदर्शन में रोपण किए. वर्ष 2022 -23 में आम के पौधों में फलन आना शुरू हुआ, जिसमें प्रथम फलन में ही 02 हजार किलोग्राम को धमतरी के मंडी में विक्रय किये, जिससे 75 हजार रुपये प्राप्त हुआ.

उद्यानिकी विभाग में संचालित राष्ट्रीय कृषि विकास योजना वर्ष 2021-22 में केला क्षेत्र विस्तार योजना रायपुर से 1800 नग टिशू कल्चर केला पौधे का 2-2 मीटर के अंतराल में रोपण किया, जिसमें विभाग के तरफ से 18 हजार 750 रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ. केले की फसल में समय-समय पर खाद दवाई डालने के लिए उद्यान विभाग के अधिकारियों द्वारा बारीकी से बताया गया. केला की प्रथम कटाई से 01 लाख 50 हजार रुपये प्राप्त हुए. केला फल को धमतरी मंडी एवं स्थानीय बाजारों में विक्रय किया गया.

वर्ष 2022-23 में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अन्तर्गत हल्दी, अदरक क्षेत्र विस्तार में विभाग द्वारा लाभान्वित किए, जिसमें कृषक को 01 लाख 20 हजार रुपये अनुदान प्राप्त हुआ. हल्दी एवं अदरक की खुदाई कृषक द्वारा मार्च महीने में किया जाकर 80 हजार रुपये विक्रय कर आमदनी प्राप्त किया इस प्रकार उद्यानिकी विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन में एवं अनुदान के तहत लाभ लेकर अनुपयोगी जमीन में 03 लाख 5000 रुपये की आमदनी प्राप्त हुआ, जिससे कृषक की आर्थिक विकास के साथ स्थानीय लोगों को साल भर रोजगार भी मिला.

वर्ष 2022-23 में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अन्तर्गत हल्दी, अदरक क्षेत्र विस्तार में विभाग द्वारा लाभान्वित किए, जिसमें कृषक को 01 लाख 20 हजार रुपये अनुदान प्राप्त हुआ. हल्दी एवं अदरक की खुदाई कृषक द्वारा मार्च महीने में किया जाकर 80 हजार रुपये विक्रय कर आमदनी प्राप्त किया इस प्रकार उद्यानिकी विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन में एवं अनुदान के तहत लाभ लेकर अनुपयोगी जमीन में 03 लाख 5000 रुपये की आमदनी प्राप्त हुआ, जिससे कृषक की आर्थिक विकास के साथ स्थानीय लोगों को साल भर रोजगार भी मिला.

महिलाओं को सशक्त बना रही भूपेश सरकार, व्यवसाय करने महिला समूहों को बांटे करोड़ों के ऋण

रायपुर. महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने भूपेश सरकार कई योजनाएं चला रही. वहीं सक्षम योजना के तहत महिला समूहों को व्यवसाय करने करोड़ों रुपए के ऋण वितरण किए गए हैं. छत्तीसगढ़ महिला कोष ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में महिला समूहों को सर्वाधिक ऋण का वितरण किया है. सक्षम योजना में योजना प्रारंभ से अभी तक पांच सालों में सर्वाधिक ऋण का वितरण किया गया है. रायपुर व दुर्ग जिले में महिलाओं को करोड़ों का ऋण बांटा गया है.

महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक दिव्या मिश्रा ने बताया कि महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेडिया के मार्गदर्शन और सचिव भुवनेश यादव के निर्देशन में छत्तीसगढ़ महिला कोष ने 10500 से अधिक महिलाओं को 10 करोड़ 70 लाख रुपए से अधिक ऋण राशि वित्तीय वर्ष 2022-23 में स्वीकृत की है, जो विगत 5 वर्षों में सर्वाधिक है. इसके लिए उन्होंने प्रदेश के जिला अधिकारियों व महिला बाल विकास विभाग के अमले द्वारा की गई मेहनत को भी श्रेय दिया है.

संचालक दिव्या मिश्रा ने बताया कि विभागीय मंत्री अनिला भेडिया के अनुरोध पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने महिलाओं को सशक्त करने के लिए महिला कोष के बजट में ऐतिहासिक वृद्धि की है. पूर्व वर्षों में महिला कोष को एक या दो करोड़ वार्षिक आवंटन उपलब्ध होता था मगर वर्ष 2023-24 में 25 करोड़ का वार्षिक बजट उपलब्ध कराया है.

छत्तीसगढ़ की महिलाएं लगातार हाट बाजार और छोटे कार्यों के लिए ऋण लेने बैंक जाने में संकोच करती थी. इसको देखते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने महिला बाल विकास मंत्री अनिला भेड़िया जी के अनुरोध पर छत्तीसगढ़ की महिलाओं के लिए नवीन कौशल्या समृद्धि योजना के लिए 25 करोड़ का बजट अतिरिक्त रूप से स्वीकृत किया है. इस योजना के प्रारंभ होने से अब महिलाओं को महिला कोष से से बड़ी राशि में प्राप्त होगी.

उल्लेखनीय है कि सक्षम योजना में दो करोड़ 63 लाख का ऋण स्वीकृत किया गया है, जो योजना प्रारंभ के पश्चात किसी भी वित्तीय वर्ष में स्वीकृत किए गए ऋणों में सर्वाधिक है. ऋण योजना अंतर्गत 8 करोड़ 8 लाख का ऋण महिला स्वयं सहायता समूह को स्वीकृतकिया गया है, जो कि पिछले वित्तीय वर्ष में इस योजना अंतर्गत की गई स्वीकृत राशि से 50 प्रतिशत अधिक है. इसी प्रकार सक्षम योजना में इस वर्ष योजना अंतर्गत स्वीकृत राशि पिछले वित्तीय वर्ष में स्वीकृत राशि से दोगुनी है.

रायपुर जिले में दोनों योजना अंतर्गत प्रदेश में सर्वाधिक 1 करोड़ 60 लाख रुपए तथा दुर्ग जिले में 1 करोड़ 30 लाख रुपए की राशि का ऋण स्वीकृत कर प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया है. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा ऋण योजना के अंतर्गत महिला स्वयं सहायता समूह को ऋण राशि दो लाख से बढ़ाकर चार लाख की घोषणा की गई थी. उस घोषणा के पालन में इस वित्तीय वर्ष में बड़ी संख्या में महिला समूह को 4 लाख का एकमुश्त ऋण स्वीकृत किया गया है, जिसमें 7 समूहों को 4 लाख की राशि के ऋण वितरण के लिए जनवरी माह में मुख्यमंत्री द्वारा चेक प्रदान किया गया है.

विगत दिवस में महिला स्वयं सहायता समूह का राशि 11 करोड़ से अधिक ऋण माफ सरकार ने किया था. इसके पश्चात भी समूह द्वारा जो ऋण लिया गया है उसकी किश्त पटाने में समूह में नियमित उत्साह देखा गया है और इस वित्तीय वर्ष में कुल 4 करोड़ रुपए से अधिक ऋण की वापसी महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा की गई.

छत्तीसगढ़ महिला कोष की स्थापना वर्ष 2003 में की गई थी, तब से लेकर अभी तक ऋण योजना अंतर्गत 38000 स्वयं सहायता समूह को 97 करोड़ का ऋण वितरण किया गया है. 4500 से अधिक महिलाओं को सक्षम योजना अंतर्गत 22 करोड़ से ऋण वितरण किया गया है. इस प्रकार महिला कोष के गठन पश्चात 120 करोड़ से अधिक का ऋण वितरण किया गया है.

महिला कोष के महाप्रबंधक राजेश सिंगी ने बताया कि दुर्ग, रायपुर, कोरबा, महासमुंद व धमतरी के साथ-साथ अन्य जिलों द्वारा योजना अंतर्गत तत्परता के साथ कार्य करने से बड़ी संख्या में महिला स्वयं सहायता समूह और महिलाओं को ऋण की राशि उपलब्ध कराई जा सकी है.

जंगल को आग की लपटों से बचाने महिलाओं ने पेश की मिसाल

स्वयं आगे आकर वनकर्मियों के साथ निभा रही अपनी भागीदारी

अब हम बुझाएंगे जंगलों की आग.....यह कहना है जंगल को आग की लपटों से बचा रही हरियाली के प्रतीक स्वरूप हरे रंग की साड़ी पहने बेलतरा सर्किल के अंतर्गत जय मां शारदा महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं का. ये महिलाएं जंगल की महत्ता को समझ उसे आग से बचाने के लिए स्वयं आगे आयीं और वनकर्मियों के साथ अपना नि:शुल्क योगदान देते हुए बराबर की भागीदारी निभा रही हैं.

गौरतलब है कि वनों को अग्नि से बचाव अत्यंत आवश्यक है. वन विभाग के अनुसार अग्नि सीजन 15 फरवरी से प्रारंभ हो गया है तथा 15 जून तक वनों को अग्नि से बचाना विभाग की प्राथमिकता में है. इस तारतम्य में वन विभाग द्वारा वनों को आग से बचाने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है. ग्रामीणों को किए जा रहे जागरूकता अभियान से प्रभावित होकर वनमंडल बिलासपुर अंतर्गत जय मां शारदा महिला समूह की महिलाएं जंगल को आग की लपटों से बचाने के लिए स्वयं आगे आकर वन विभाग के सामने अपना प्रस्ताव रखा.

महिलाओं की उत्सुकता एवं जागरूकता को देखते हुए वन मण्डलाधिकारी बिलासपुर कुमार निशांत द्वारा अपने अधीनस्थ वन कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि महिलाएं जो इस विशेष कार्य के लिए आगे आयी हैं उन्हें जंगल में लगे आग को बुझाने के लिए प्रशिक्षित किया जाए और प्रोत्साहित भी किया जाए. वन विभाग द्वारा हरियाली के प्रतीक स्वरूप इन महिलाओं को हरे रंग की साड़ी का वेश-भूषा दिया गया है और फायर ब्लोवर मशीन से जंगल के आग को काबू पाने के संबंध में प्रशिक्षित भी किया गया. जंगल को आग से बचाने ग्रामीण महिलाओं द्वारा नि:शुल्क कार्य किया जा रहा है. इस कार्य में वनकर्मी भी इनके साथ में रहते हैं.

छत्तीसगढ़ राज्य में पहला वनमंडल बिलासपुर है जो अपने जंगल के प्राकृतिक पुनरोत्पादन, जड़ी-बूटी, कीमती लकड़ी, फल-फूल को बचाने के लिए अनोखा प्रयास किया गया है. वन ही जीवन है को चरितार्थ करते हुए ये महिलाएं समझ गयी हैं कि वन में होने वाले जड़ी-बूटी, फल-फूल का उपयोग हम लोग स्वयं करते हैं, इससे हमें अतिरिक्त आय होती है और ये सभी हमारे अनमोल धरोहर हैं. आने वाले कल को ध्यान में रखते हुए इसकी सुरक्षा करना हमारा पहला कर्तव्य है. इन्ही भावनाओं के साथ ये सभी महिलाएं जंगल में आग लगने की सूचना मिलते ही तत्काल वनकर्मियों के साथ आग बुझाने निकल पड़ती हैं. जिन महिलाओं ने ये बीड़ा उठाया है, उनमें प्रमुख रूप से रमशीला बाई सोरठे, अनारकली आयाम, सोनम बाई, सत कुमारी मरावी, उमा महंत व जानकी बाई उइके आदि शामिल हैं.

प्रेम पटेल
सहायक संचालक - जनसम्पर्क
रायपुर.

गर्मी में तेजी से वजन घटाने के ये टिप्स हैं बहुत कारगर

गर्मी का मौसम सर्दियों के आलस के कारण बढ़े वजन को घटाने के लिए एकदम सही है, लेकिन अत्यधिक गर्मी में जिम जाकर एक्सरसाइज करना परेशानी का कारण बन सकता है.इसी तरह आइसक्रीम और शेक जैसे उच्च कैलोरी वाले कतपदा का अधिक सेवन करने से वजन कम होने के बजाय बढ़ सकता है. इसलिए आज हम आपको 5 ऐसे सुरक्षित तरीके बताने जा रहे हैं, जिन्हें अपनाकर गर्मियों में वजन घटाना आसान हो सकता है.

मीठे और कार्बोनेटेड पेय से बनाएं दूरी

लोग गर्मी से बचने के लिए कोका कोला, एनर्जी ड्रिंक और नींबू सोडा जैसे कार्बोनेटेड पेय का अधिक सेवन करते हैं. इन ड्रिंक्स में बड़ी मात्रा में चीनी मौजूद होती है, जो मोटापे के प्रमुख कारणों में से एक है. यह शरीर को निर्जलित करती है और मोटापे समेत कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम बढ़ा देती है. इसलिए इनकी बजाय नारियल पानी का सेवन करें.सुबह खाली पेट नारियल पानी पीने से ये फायदे मिल सकते हैं.

ज्यादा से ज्यादा पानी का सेवन करे

गर्मियों के दौरान पसीने की कमी का मतलब यह भी है कि शरीर में अपना काम करने के लिए पर्याप्त पानी नहीं है. इसलिए रोजाना ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं.इससे शरीर में पानी की पूर्ति होगी और अतिरिक्त कैलोरी के सेवन से भी सुरक्षित रहेंगे. विशेषज्ञों के मुताबिक, स्वस्थ रहने के लिए रोजाना 1.5-2 लीटर पानी पीना बहुत जरूरी है.

स्वीमिंग करे

गर्मियों के दौरान स्वीमिंग वजन घटाने के लिए एक बेहतरीन एक्सरसाइज है. अगर आप रोजाना आधा घंटा स्विमिंग करते हैं तो इससे लगभग 500 कैलोरी कम हो जाती है और इससे बढ़ते वजन को नियंत्रित करना आसान हो जाता है. यही नहीं और दूसरी तरह की एक्सरसाइज की तुलना में स्विमिंग के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ती है, जिसके कारण शरीर की मांसपेशियों में लचीलापन आने के साथ मजबूती भी आती है.

डाइट में प्रोबायोटिक्स को करें शामिल

गर्मियों के दौरान पेट खराब होने की संभावना ज्यादा रहती है, इसलिए डाइट में एक कटोरी दही या योगर्ट शामिल करना न भूलें.ये प्रोबायोटिक्स खाद्य पदार्थ वजन कम करने के साथ ही आंत में अच्छे बैक्टीरिया का विकास करते हैं और शरीर को ठंडा भी रखते हैं. इसके अलावा डाइट में आम, तरबूज, टमाटर, खीरा और बील जैसे मौसमी फल और सब्जियों को भी जरूर शामिल करना चाहिए.

क्रैनबेरी जूस का करें सेवन

क्रैनबेरी जूस में बहुत कम कैलोरी होती है और यह अन्य जूसों के मुकाबले एक बेहतरीन विकल्प है.यह एंटी-ऑक्सीडेंट का भी एक बेहतरीन स्रोत है, जो आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं और आपके मेटाबॉलिज्म की गति को बढ़ाकर वजन घटाने में मदद कर सकते हैं.लाभ के लिए रोजाना भोजन से पहले हर बार एक गिलास बिना चीनी वाले क्रैनबेरी जूस का सेवन करें.

एयर इंडिया की बड़ी प्लानिंग 500 और नए विमान लाने की तैयारी

टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन एयर इंडिया आने वाले समय में 1000 से अधिक पदों पर नई भर्तियां करेगी. कंपनी अपने नेटवर्क का विस्तार करने के लिए पायलट और ट्रेनर जैसे पदों पर 1000 से ज्यादा योग्य लोगों की तलाश कर रही है. बता दें, एयर इंडिया के पास फिलहाल 1,800 से ज्यादा पायलट हैं. एयरलाइन ने बोइंग और एयरबस को 470 विमानों का ऑर्डर दिया है. इनमें वाइड-बॉडी विमान शामिल हैं.

नए विमान नेटवर्क में शामिल हो रहे है

नए एयरबस फर्म ऑर्डर में A320/321neo/XLR विमानों की संख्या 210 रखी गई है. वहीं, A350&900/1000 विमानों की संख्या 40 रखी गई है.

कंपनी नई भर्ती की जानकारी दे रही है

कंपनी ने गुरुवार को नई भर्तियों की जानकारी दी है. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो एयरलाइन 1000 से ज्यादा पदों पर पायलटों की भर्ती करने की योजना बना रही है. कंपनी ने कहा, "हम पायलट, फर्स्ट ऑफिसर और ट्रेनर की भर्ती की पेशकश कर रहे हैं. नई भर्तियां ए 320, बी 777, बी 787 और बी 737 के लिए की जा रही हैं. इसमें 100 से ज्यादा विमान शामिल होने जा रहे हैं."

गौरतलब है कि हाल ही में एयर इंडिया के पायलटों ने अपने वेतन ढांचे और सेवा शर्तों में बदलाव को लेकर एयरलाइन के ताजा फैसले पर चिंता जताई थी. 17 अप्रैल को, एयर इंडिया ने अपने पायलटों और केबिन क्रू के लिए एक संशोधित मुआवजा संरचना पेश की, जिसे दो पायलट यूनियनों - इंडियन कमर्शियल पायलट एसोसिएशन (ICPA) और इंडियन पायलट गिल्ड (IPG) ने अस्वीकार कर दिया है.

टाटा समूह एयरलाइन का विलय कर रहा है

बता दें कि टाटा ग्रुप के तहत चार एयरलाइंस एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, ऐक्स कनेक्ट और विस्तारा काम करती हैं. Tata Group Air India Express, AIX Connect को मर्ज करने की प्रक्रिया में है. इसके अलावा विस्तारा और एयर इंडिया का भी विलय किया जा रहा है.

क्या 5G चूस रहा है आपके फोन की बैटरी फटाफट इन सेटिंग्स में करें बदलाव

क्या आपके फोन की बैटरी तेजी से खत्म हो जाती है? अगर ऐसा है तो आज का यह लेख आपके लिए है. फोन की बैटरी का जल्दी खत्म होना 5G नेटवर्क की एक वजह हो सकती है. कुछ यूजर्स को लगता है कि 5G के चलते उनके फोन की बैटरी जल्दी खत्म होती है. बता दें कि 5G एक नई तकनीक है जो ज्यादा पावर खपत करती है. ऐसे में अगर आप 4G नेटवर्क को काफी मिस कर रहे हैं तो आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है. हम आपको Android और iPhone दोनों पर 5G से 4G नेटवर्क पर स्विच करने का एक आसान तरीका बता रहे हैं.

5G के चलते तेजी से क्यों खत्म होती है बैटरी?

भारत में केवल रिलायंस जियो अकेली टेलिकॉम कंपनी है, जो स्टैंडअलोन 5G इस्तेमाल करती है. बाकी कंपनियों का 5G नेटवर्क 4G के ढांचे पर निर्भर करता है. ऐसे में कॉलिंग और डाटा इस्तेमाल के लिए बार-बार आपका फोन 5G और 4G नेटवर्क्स के बीच स्विच करता है. यह फोन की बैटरी पर दबाव पड़ने की एक बड़ी वजह है.

ऐसे 5G से 4G नेटवर्क पर स्विच करें

स्अेप 1. सबसे पहले अपने फोन पर सेटिंग ऐप खोलें.

स्टेप 2. फिर सेटिंग्स मेनू में जाएं और कनेक्शन पर टैप करें. इसके बाद मोबाइल नेटवर्क पर टैप करें.

स्टेप 3. इसके बाद नेटवर्क मोड पर टैप करें.

स्टेप 4. यहां पर, आपको श्प्रथम नेटवर्कश का चयन करना होगा और फिर '4G' का चयन करना होगा. लेकिन अगर आप 5G नेटवर्क इस्तेमाल करना चाहते हैं लेकिन बेहतर बैटरी लाइफ की उम्मीद कर रहे हैं तो कुछ सुधार जरूरी हैं. जैसे कि डिस्प्ले की ब्राइटनेस कम रखें, या ऑटो-ब्राइटनेस का इस्तेमाल करें. इसके अलावा आप डार्क-मोड या एडाप्टिव बैटरी फीचर भी इनेबल कर सकते हैं. कीबोर्ड वाइब्रेशंस को डिसेबल करने के अलावा आप ऑटो-स्क्रीन टर्न ऑफ टाइम कम कर सकते हैं.

ये हैं भारत की 5 सस्ती सनरूफ वाली कारे

सनरूफ वाली कार में परिवार के साथ लंबी यात्रा पर जाने का मजा काफी बढ़ जाता है. जिस परिवार में बच्चे होते हैं उन्हें ज्यादातर सनरूफ वाली कारें पसंद होती हैं. बाजार में कई गाड़ियां ऐसी हैं जिनमें सनरूफ मिलता है लेकिन उनमें से कुछ कारें महंगी हैं लेकिन इस खबर में हम आपको ऐसी सस्ती कारों के बारे में बता रहे हैं जिनको खरीदकर आप सनरूफ वाली कार की इच्छा पूरी कर सकते हैं.

Ford EcoSport

फोर्ड इकोस्पोर्ट भारत में पंसद किए जाने वाले गाड़ियों में से एक है. इसमें भी सनरूफ का ऑप्शन मिलता है. यह फीचर EcoSport के Titanium वैरिएंट में दिया गया है. कार के शुरुआती वैरिएंट की कीमत करीब 8.20 लाख रुपये है, जो करीब 11.70 लाख रुपये तक जाती है.

Tata Nexon

इस लिस्ट में नेक्सन सनरूफ वाली सबसे सस्ती एसयूवी है. इसके एक्सएम (एस) ट्रिम में 1.2 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है और इसमें 6-स्पीड मैन्युअल गियरबॉक्स दिया गया है. नेक्सन एक्सएम (एस) की कीमत 9.39 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है. टाटा नेक्सन वर्तमान में देश की सबसे सुरक्षित कारों में से एक है जो कि 5-स्टार एडल्ट सेफ्टी रेटिंग के साथ आती है. ग्राहकों को नेक्सन में डीजल इंजन तथा ऑटोमेटिक गियरबॉक्स का विकल्प भी उपलब्ध कराया गया है.

Verna

हुंडई वरना को हाल ही में नए लुक और डिजाइन के साथ लॉन्च किया गया है, जिसकी शुरुआती कीमत 10 लाख 90 हजार रुपये है. कंपनी का दावा है कि ये सेडान 1 लीटर पर 20.6 किलोमीटर तक की माइलेज देने में सक्षम है. ये गाड़ी सनरूफ फीचर्स से तो लैस है ही. साथ ही साथ इसमें कई एडवांस सेफ्टी फीचर्स भी मिलते हैं.

Mahindra XUV300

महिंद्रा एक्सयूवी300 कार पेट्रोल और डीजल दोनों ही इंजन विकल्पों के साथ उपलब्ध है. इस कार के अपडेटेड वर्जन में सनरूफ फीचर जोड़ा गया है. सनरूफ वाली ग्न्ट300 की कीमत करीब 9.90 लाख रुपये है.

Kia Sonet

किआ सोनेट सस्ती सनरूफ वाली कार के मामले में दूसरी सबसे सस्ती कार है. इस शानदार एसयूवी के भ्ज्ञ च्सने वेरिएंट में ग्राहकों को सनरूफ मिलती है. बाजार में इसकी एक्स-शोरूम कीमत 9.19 लाख रुपये है.

हुवावे ने अपना नया स्मार्टफोन छवअं 11प लॉन्च कर दिया है. भ्नूंमप छवअं 11प कंपनी की नोवा 11 सीरीज का नया हैंडसेट है. इससे पहले इस सीरीज में भ्नूंमप छवअं 11ए छवअं 11 च्तव और छवअं 11 न्सजतं स्मार्टफोन चीनी मार्केट में लॉन्च हो चुके हैं. अब कंपनी ने दक्षिण अफ्रीका में हुवावे नोवा 11प को उपलब्ध करा दिया है. जानें हुवावे के नए स्पेसिफिकेशन्स, फीचर्स और कीमत के बारे में सबकुछ....

8 मेगापिक्सल कैमरा और दमदार बैटरी के साथ लॉन्च हुआ Huawei Nova 11i, जानें कीमत और फिचर्स

Huawei Nova 11i की कीमत और उपलब्धता

कीमत की बात की जाए तो Huawei Nova 11i की कीमत +320 (लगभग 26,160 रुपये) होगी. हालांकि, फिलहाल सटीक कीमत की जानकारी नहीं है. यह स्मार्टफोन Starry Black और Mint Green कलर में आएगा.

Huawei Nova 11i स्मार्टफोन में 6.8 इंच का बड़ा एलसीडी डिस्प्ले पैनल है. यह डिस्प्ले फुल एचडी प्लस (2388×1080 पिक्सल) रेजोल्यूशन, 90 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट और 270 हर्ट्ज टच सैंपलिंग रेट सपोर्ट करता है. तेज परफॉर्मेंस के लिए यह डिवाइस क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 690 प्रोसेसर के साथ आता है. स्टोरेज के तौर पर इसमें 8 जीबी रैम और 128 जीबी रोम मिलेगा. हालाँकि, माइक्रोएसडी कार्ड का उपयोग करके डिवाइस के इंटरनल स्टोरेज का विस्तार करना संभव है.

कैमरा सेटअप की बात की जाए तो इस स्मार्टफोन के रियर में 48 मेगापिक्सल का पहला कैमरा और 2 मेगापिक्सल का डेप्थ कैमरा दिया गया है. Huawei Nova 11i एंड्रायड पर बेस्ड EMUI 13 पर काम करता है. इस फोन में सिंगल सिम, 4G VoLTE, वाई-फाई, ब्लूटूथ 5.0, जीपीएस, एनएफसी और यूएसबी टाइप सी पोर्ट दिया गया है. सिक्योरिटी के लिए यह फोन फेस अनलॉक और साइड फेसिंग फिंगरप्रिंट स्कैनर का सपोर्ट करता है. डाइमेंशन की बात की जाए तो Nova 11i की लंबाई 164-6mm, चौड़ाई 75-55mm, मोटाई 8-55mm और वजन 193 ग्राम है. पावर बैकअप की बात करें तो डिवाइस में 5,000mAh क्षमता की बैटरी दी गई है, जो 40W फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है.

इस महीने Jimny, Altroz iCNG समेत इन कारों की होगी एंट्री

क्या आप अपने परिवार के लिए एक नई कार खरीदने का प्लान बना रहे हैं? अगर हां तो आप सही जगह पर हैं, इस खबर में हम आपको इस महीने लॉन्च होने वाली उन अपकमिंग कारों के बारे में बता रहे हैं. यह कारें लुक और डिजाइन के मामले में शानदार तो होंगी ही साथ ही साथ आपके बजट में भी फिट साबित हो सकती हैं. इसमें थार राइवल मारुति जिम्नी भी शामिल है. आइये जानते हैं इस महीने लॉन्च होने वाली कारों के बारे में...

Maruti Suzuki Jimny

मारुति ने Auto Expo 2023 में अपनी इस कार से पर्दा उठाने के बाद इस कार की बुकिंग को ग्राहकों के लिए शुरू कर दिया था. इस कार की 30 हजार से ज्यादा बुकिंग्स कंपनी को अब तक मिल चुकी हैं. Fronx के बाद अब इस कार को इस महीने लॉन्च की जा सकती है. इसमें कंपनी 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन दे रही है. कार में K-Series का इंजन दिया जाएगा. ये इंजन 6000 rpm पर 277.1 किलोवाट की मैक्स पावर और 4000 rpm पर 134.2 nM का मैक्स टॉर्क जनरेट करेगा. इंजन में 5 स्पीड मैनुअल और 4 स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स दिए जाएंगे.

Tata Altroz iCNG

टाटा मोटर्स अपने सीएनजी लाइनअप में इजाफा करते हुए इस महीने यानी मई 2023 में नई अल्ट्रोज सीएनजी लॉन्च करने वाली है. कंपनी ने 21,000 रुपये के साथ इसकी बुकिंग शुरू कर दी है और इसकी डिलीवरी मई से ही शुरू होने का अनुमान है. कार के साथ फैक्ट्री फिटेड सीएनजी किट एक्सई, एक्सएम प्लस, एक्सजेड और एक्सजेड प्लस के साथ मिलने वाला है. अल्ट्रोज हैचबैक का टॉप मॉडल अलॉय व्हील्स, ऑटोमैटिक एसी, सनरूफ और 6 एयरबैग्स के साथ आने वाला है. कंपनी ने इस कार को 1.2-लीटर 3-सिलेंडर सीएनजी इंजन दिया है जो 77 एचपी ताकत और 97 एनएम पीक टॉर्क जनरेट करता है. ये इंजन 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स से लैस होगा.

Mahindra Bolero Neo Plus

महिंद्रा भी इस महीने महिंद्रा बोलेरो नियो प्लस को लॉन्च करने जा रही है. जिसे 7 और 9-सीटर दोनों वेरिएंट में भारतीय बाजार में उतारा जाएगा. इस कार में 2.2-लीटर डीजल इंजन होगा, जो 130PS और 300Nm का पावर जनरेट करेगा. इस कार को 6-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा गया है. इस कार की कीमत करीब 10 लाख रुपये हो सकती है.

Porsche Cayenne

Porsche जल्द ही भारत में Cayenne और Cayenne Coupe के फेसलिफ्ट वर्जन पेश कर सकती है. कार निर्माता ने पहले ही इसके उस मॉडल के लिए बुकिंग लेना शुरू कर दिया है जिसे पिछले हफ्ते शंघाई ऑटो शो में प्रदर्शित किया गया था. कार निर्माता ने अभी तक भारत में इस एसयूवी के आधिकारिक लॉन्च की तारीख की घोषणा नहीं की है.

हालांकि, नई Porsche Cayenne और Cayenne Coupe की डिलीवरी भारत में जुलाई से शुरू हो सकती है. आपको बता दें कि इस सुपरकार में 3.0 लीटर टर्बोचार्ज्ड V6 इंजन दिया गया है, जिसे पहले से बेहतर आउटपुट देने के लिए ट्वीट किया गया है. ये इंजन 348 hp की पावर और 499 Nm का पीक टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम है.

BMW X3 M4Oi xDrive

बीते हफ्ते कंपनी ने इस कार की बुकिंग को शुरू किया था. कंपनी के एसयूवी सेगमेंट की इस कार को 5 लाख रुपए की टोकन राशि के साथ बुक किया जा सकता है. कंपनी ने जानकारी दी थी कि इस कार को मई में लॉन्च किया जाएगा. कार में 3 लीटर इनलाइन 6 सिलेंडर टर्बोचार्ज्ड इंजन मिलेगा, जो 382 एचपी का मैक्सिमम पावर और 501 nM का पीक टॉर्क जनरेट करेगा. कार में 8 स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन दिए जाएंगे. कंपनी का दावा है कि ये कार मात्र 5 सेकंड में 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार को पकड़ लेगी

Maruti Suzuki ने भारत में Engage नेमप्लेट को ट्रेडमार्क किया है. एक लीक हुए पेटेंट दस्तावेज का खुलासा हुआ है. कार निर्माता ने मार्च 2023 में इस ट्रेडमार्क के लिए आवेदन किया था, और आधिकारिक वेवसाइट के मुताबिक ट्रेडमार्क का स्टेटस "औपचारिकता चेक पास" बता रहा है. हालांकि इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है कि यह नाम किस मॉडल के लिए तय होगा. लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक Maruti Suzuki Engage नाम का इस्तेमाल आनेवाली प्रीमियम एमपीवी या 7-सीटर एसयूवी के लिए किया जा सकता है.

मारुति सुजुकी की आगामी एमपीवी का नाम होगा 'Engage' इनोवा हाइक्रॉस बेस्ड होगा मॉडल

हाल ही में एक ऑनलाइन डॉक्युमेंट लीक हुआ है जिसमें कंपनी ने नया ट्रेडमार्क 'Engage' के लिए आवेदन किया है. बताया जा रहा है कि कंपनी इस ट्रेडमार्क का इस्तेमाल अपनी आने वाली नई एमपीवी कार के लिए कर सकती है. इस नई एमपीवी को लेकर एक और रिपोर्ट् सामने आई है कि, ये मौजूदा Toyota Innova Hycross पर बेस्ड होगी. जिसके बारे में हमने अपनी पिछली रिपोर्ट में भी बताया था.

Maruti Suzuki Engage के संभावित फीचर्स

रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी ने हाल में अपनी ऑन-न्यू क्रॉसओवर एसयूवी फ्रोंक्स लॉन्च की है. फ्रोंक्स को भारत में 7,46,500 लाख रुपये की शुरुआती कीमत के साथ लॉन्च किया गया है, जो टॉप-स्पेसिफिकेशन वेरिएंट के लिए 13.14 लाख रुपये तक है. SUV दो इंजन ऑप्शन के साथ उपलब्ध है- एक 1.2-लीटर पेट्रोल और एक 1.0-लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन, फ्रोंक्स के बेस और मिड-स्पेसिफिकेशन मॉडल बलेनो के साथ 1.2-लीटर, फोर-सिलेंडर, एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन शेयर करते हैं. ये इंजन मैक्सिमम 90 चै की पावर और 113 छउ का मैक्सिमम टॉर्क जेनरेट करते हैं 5-स्पीड मैनुअल और 5-स्पीड AMT गियरबॉक्स दोनों उपलब्ध हैं.

मारुति सुजुकी एंगेज में अडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (ADAS) के साथ ही वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कार प्ल सपोर्ट वाला 10 इंच का टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, 360 डिग्री कैमरा, ओटोमन फंक्शन के साथ सेकेंड रो सीट्स, डुअल पेन पैनोरमिक सनरूफ, मल्टीपल एयरबैग्स समेत कई खास खूबियां देखने को मिलेंगी.

लुक और डिजाइन

मारुति सुजुकी की नई प्रीमियम एमपीवी जुलाई 2023 तक बिक्री के लिए उपलब्ध होगी. डंतनजप म्दहंहम (यदि यह नाम एमपीवी के लिए इस्तेमाल किया जाता है) देश में इंडो-जापानी कार निर्माता का नया फ्लैगशिप मॉडल होगा. नई मारुति एमपीवी की डिजाइन और स्टाइलिंग टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस से थोड़ी अलग हो सकती है. मॉडल में ब्रांड की सिग्नेचर ग्रिल (संभवत: ग्रैंड विटारा के जैसी) के साथ-साथ नए डिजाइन किए गए हेडलैंप, टेललैंप और फ्रंट बम्पर होंगे. इनोवा हाइक्रॉस की तरह, नई मारुति एंगेज एफडब्ल्यूडी (फ्रंट-व्हील ड्राइव) सिस्टम के साथ मोनोकॉक टीएनजीए-सी प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी.

कितनी होगी कीमत

नई मारुति प्रीमियम एमपीवी की कीमतें 19 लाख रुपये से 30 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के बीच रहने की उम्मीद है.

आदिवासी दिवस के दिन आदिवासी प्रदेश अध्यक्ष को हटाना ही भाजपा की सोच आदिवासियों के खिलाफ है यह दर्शाता है

नंद कुमार साय ने कहा भाजपा में अटल अडवानी युग समाप्त हो चुका है, भाजपा में अब केवल पूंजीपतियों का युग है

कांग्रेस सरकार के कार्यों से प्रभावित होकर नंद कुमार साय ने छोड़ी भाजपा

रायपुर. राष्ट्रीय सचिव विकास उपाध्याय ने कहा कि बीजेपी का नामी चेहरा नंद कुमार साय का कांग्रेस में आगमन से साफ नजर आ रहा है कि प्रदेश में भाजपा का अस्तित्व खतरे में है. भाजपा से नंद कुमार साय 3 बार विधायक व 5 बार सांसद एवं अविभाजित मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं. इनका राजनीतिक अनुभव काफी लंबा रहा है. कांग्रेस सरकार के कार्यों से प्रभावित होकर नंद कुमार साय ने भाजपा छोड़ा. आदिवासी दिवस के दिन आदिवासी प्रदेश अध्यक्ष को हटाना ही भाजपा की सोच आदिवासियों के खिलाफ है यह दर्शाता है. नंद कुमार साय ने कहा कि भाजपा में अटल अडवानी युग समाप्त हो चुका है, भाजपा में अब केवल पूंजीपतियों का युग है. नंद कुमार साय ने कहा कि कांग्रेस की सरकार किसानों के हित के लिए कई कार्य किए हैं. प्रदेश में भगवान राम का कार्य कांग्रेस सरकार कर रही है. राम वन गमन पथ का निर्माण प्रदेश में इनके द्वारा किया गया है. इन्होंने कहा प्रदेश में भाजपा का स्वरूप बचा ही नहीं है. भाजपा ने मुझे कोई दायित्व नहीं दिया. छत्तीसगढ़ आदर्श प्रदेश बने इसके लिए इन्होंने कार्य करने की इच्छा जाहिर की. वर्तमान में भाजपा जिस विचारधारा पर काम कर रही है उसका जिक्र करते हुए इन्होंने कहा कि आदिवासियों के साथ अन्याय हो रहा है.

इस दौरान साय जी ने वर्तमान में किस प्रकार भाजपा आम जनता का शोषण कर रही है उसे आमजन के सामने पेश किया. साढ़े 4 सालों में प्रदेश सरकार आदिवासी दलितों पिछड़ा वर्ग सहित सभी जाति धर्म समुदाय के लिए कार्य किया है. इससे प्रभावित होकर नंद कुमार साय कांग्रेस में प्रवेश किए.

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा नंदकुमार साय को कांग्रेस की सदस्यता दिलाई गई. इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहन मरकाम, राष्ट्रीय सचिव विकास उपाध्याय सहित दर्जनों नेता उपस्थित रहे. इस दौरान सभी के चेहरे में मुस्कान झलकी. इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नंद कुमार साय का आदिवासियों के लिए समर्पित कार्यों पर तारीफ की और इनके सदस्यता में शामिल होने पर खुशी व्यक्त किया. विकास उपाध्याय ने कहा कि नंदकुमार साय जी के कांग्रेस में शामिल होने से छत्तीसगढ़ सहित पूरे भारत देश में इसका लाभ मिलने की बात कही और प्रदेश में कांग्रेस के कार्य को देखते हुए भविष्य में आदिवासी समाज को कांग्रेस से और अधिक जुड़ने का दावा किया. प्रदेश में कांग्रेस शुरू से ही मजबूत रही है ऐसे में भाजपा के नंद कुमार साय का कांग्रेस में आगमन प्रदेश में कांग्रेस को और भी अधिक मजबूती मिलने की बात कही.

विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा के 600 बच्चे हुए कुपोषण मुक्त

232 आंगनबाड़ी केन्द्रों में 3500 बच्चों को हर सप्ताह दो दिन दिया जा रहा अंडा

रायपुर. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर प्रदेश में कुपोषण मुक्ति के लिए अभियान चलाया जा रहा है. अभियान के तहत दूरस्थ आदिवासी और पिछड़े इलाकों में बच्चों के कुपोषण मुक्ति के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं. इसके उल्लेखनीय परिणाम सामने आए हैं. जशपुर जिले में लगभग 600 कुपोषित बच्चे कुपोषण के दुष्चक्र से बाहर आ गए है. गौरतलब है कि मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान से प्रदेश में लगभग 2 लाख 65 हजार बच्चे कुपोषण मुक्त हो चुके हैं.

जिले की मनोरा, आस्ता, सन्ना, बगीचा चार परियोजनाओं के 232 आंगनबाड़ी केन्द्रों में खनिज न्यास निधि से सप्ताह में दो दिन बुधवार और शुक्रवार को विशेष पिछड़ी जनजाति के 3500 पहाड़ी कोरवा बच्चों को अंडा वितरण की शुरूआत की गई है. साथ ही बच्चों की बौद्धिक क्षमता को बढ़ाने प्रारंभिक शिक्षा भी दी जा रही है. बच्चों को आंगनबाड़ी केन्द्रों में पौष्टिक आहार मिलने और समुचित देखभाल से बड़ी संख्या में बच्चे सेहतमंद हो रहे हैं.

महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने बताया कि कुपोषण को दूर करने के लिए आंगनबाड़ी केन्द्र के पर्यवेक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका द्वारा गृह भेंट करके पालको को जागरूक किया जा रहा है. गृहभेंट के दौरान पालकों को बच्चों को पौष्टिक भोजन आहार खिलाने की समझाईश दी जा रही है. साथ ही आंगनबाड़ी केन्द्रों में भेजने के लिए प्रेरित किया जा रहा है. इसके सकारात्मक और सार्थक परिणाम सामने आ रहे हैं.

भेंट-मुलाकात कार्यक्रमः मुख्यमंत्री की पहल से बलरामपुर जिले के किसानों की वर्षों से लंबित भू-अर्जन मुआवजा राशि मिली

स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. टेकाम ने 43 किसानों को वितरित की 5 करोड़ 46 लाख रूपए की मुआवजा राशि

"रायपुर. बलरामपुर जिले के किसानों के लिए भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में जाना सार्थक सिद्ध हुआ है. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर जल संसाधन विभाग द्वारा गिरवानी और कोटराही जलाशय परियोजनाओं के 43 किसानों की लंबित भू-अर्जन राशि 5 करोड़ 46 लाख 20 हजार रुपए स्वीकृत की गई. स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने इन किसानों को मुआवजा राशि का चेक वितरित किया."

किसानों का कहना है कि उन्होंने मुआवजे की आस ही छोड़ दी थी. मुआवजा राशि मिलने से किसानों में खुशी की लहर है. इन किसानों ने मुआवजा राशि मिलने पर प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है. किसानों की जमीन सिंचाई परियोजनाओं के लिए ली गई थी और लगभग 15 वर्षों से उन्हें मुआवजे की राशि नहीं मिली थी. मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में जब इन किसानों ने अपनी समस्या बताई तब उन्होंने अधिकारियों को भू-अर्जन मुआवजा प्रकरणों का परीक्षण कर किसानों को जल्द मुआवजा राशि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे.

अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 2008 में वाड्रफनगर विकासखण्ड के गिरवानी और कोटराही में सिंचाई परियोजनाओं के अंतर्गत जलाशय का निर्माण किया गया था. यहां सिंचाई परियोजनाओं के लिए 43 किसानों की खेतिहर भूमि डूबान क्षेत्र में घोषित करते हुए भू-अर्जन के तहत प्रकरण तैयार किया गया था. इन किसानों को लंबे समय से भू-अर्जन के अंतर्गत मुआवजे की राशि नही मिल पाई थी, किसान मुआवजे की राशि को लेकर चिंतित थे. ऐसे में कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के मार्गदर्शन में सिंचाई परियोजनाओं के मुआवजा प्रकरणों का निराकरण करते हुए कोटराही जलाशय बांध योजना अंतर्गत कुल 16 प्रभावित किसानों को 01 करोड़ 81 लाख 20 हजार 6 सौ रुपये तथा गिरवानी जलाशय बांध योजना के अंतर्गत 27 प्रभावित किसानों को 03 करोड़ 65 लाख 40 रुपये मुआवजे राशि का प्रकरण तैयार किया गया.

बारिश में Electric Car चलाते हुए न करें ये गलती, इन तरीकों से बचाएं अपनी गाड़ी

आज के समय में पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के तहत लोगों के बीच इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की डिमांड बढ़ रही है. ऐसे में लोग पेट्रोल-डीजल से चलने वाली कार न खरीद कर इलेक्ट्रिक कार को खरीदना पसंद कर रहे हैं. आपको बता दें कि अगर आपके पास इलेक्ट्रिक कार है तो इसमें नॉर्मल कार की तुलना में ज्यादा ध्यान रखने की जरूरत पड़ती है. ऐसे में अगर आप चाहते हैं कि आपको मोटे नुकसान का सामना न करना पड़े तो इन टिप्स को फॉलो करें. इन टिप्स को फॉलो करने के बाद आप अपनी कार को सेफ रख सकते हैं.

पानी से कैसे बचाएं

Electric Car को पानी से बचाना चाहिए. कंपनियां वाटरप्रुफ सेफ्टी तो इन गाड़ियों में देती ही हैं. लेकिन फिर भी इन कारों में अंदर पानी गिराने से बचना चाहिए. इसके साथ ही बाहर निकालते हुए भी इन बातों का ध्यान रखना चाहिए. कार के अंदर पानी गिरना आपको मुसीबत में डाल सकता है.

नमी रखें दूर

Electric Car में जहां तक हो सके नमी नहीं रहने देनी चाहिए. कार के अंदर अगर नमी होगी तो इसके इंटिरियर पर प्राभव पड़ सकता है. इसलिए जहां तक हो सके कार से नमी को दूर रखें.

कार को डस्ट से बचा कर रखे

इलेक्ट्रिक कार को टाइम-टू टाइम क्लिन करते रहना चाहिए. कई बार कार के पार्ट्स में डस्ट जाने की वजह से कार पर प्रभाव पड़ता है. ऐसे में आप हमेशा अपनी कार को साफ करें और इसकी मेंटेनेंस करे.

गर्मी और धूप में रखें ध्यान

इलेक्ट्रिक कार पर मौसम का काफी प्रभाव पड़ता है. इलेक्ट्रिक कार में पावरफुल बैटरी आती है. ऐसे में जब गर्मी के मौसम में कार चलती है तो इसकी बैटरी ज्यादा गर्म हो जाती है. गर्मी के मौसम में कार को धूप में पार्क न करें. ज्यादा देर ड्राइविंग करने से बचें.ऐसे में बैटरी को ठंडा होने का मौका मिल जाएगा.

कैसे हो सजा-ए-मौत? केंद्र बनाएगा कमिटी

नई दिल्ली केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि मौत की सजा के लिए कम दर्दनाक तरीका खोजने के लिए एक्सपर्ट कमिटी गठित करने पर विचार कर रही है. चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि वह इस मामले में जुलाई में सुनवाई करेंगे. केंद्र सरकार की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने कहा कि सरकार एक्सपर्ट कमिटी बनाने के उनके सुझाव पर विचार कर रही है. इस मुद्दे पर विमर्श चल रहा है.

कमिटी में कौन-कौन से नाम होंगे इससे जुड़े विषय पर बातचीत चल रही है. इससे पहले सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया था कि वो इस मामले को लेकर एक एक्सपर्ट कमिटी बनाएगा. 21 मार्च को अदालत ने कहा था कि वह एक्सपर्ट कमिटी बनाने पर विचार कर सकता है. कमिटी देखेगी कि क्या सजा-ए-मौत के मामले में फांसी की सजा तुलनात्मक तौर पर कम दर्दनाक है?

केंद्र से मांगा था डेटा:

सुप्रीम कोर्ट ने मौत की सजा के अमल के तरीके पर केंद्र से डेटा उपलब्ध कराने को कहा था. 9 जनवरी 2018 को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा था कि वह बताए कि दुनिया के दूसरे देशों में किस तरह से फांसी की सजा पर अमल किया जाता है. सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की अगुवाई वाली वेंच ने सुनवाई के दौरान ये साफ किया था कि वह इस बात को तय नहीं करने जा रहे हैं कि भारत में मौत की सजा पाए मुजरिमों को किस तरह से सजा दी जाए.

हम ये नहीं कह रहे हैं कि किस तरह से सजा पर अमल हो. लेकिन हमें बताया जाए कि दुनियां के दूसरे देशों में किस तरह से सजा पर अमल होता है.

याचिका में मांग, कम दर्दनाक तरीके से दिया जाए मृत्युदंड

सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर मौत की सजा पाने वाले मुजरिमों को फांसी पर लटकाने के मौजूदा कानूनी प्रावधान में बदलाव के लिए गुहार लगाई गई है. इसके बजाय कम दर्दनाक तरीके जैसे कि जानलेवा इंजेक्शन लगाने, गोली मारने, करंट लगाने या गैस चौंबर का इस्तेमाल करने का अनुरोध किया, ताकि मौत कम से कम कष्टदायक हो. पिछली सुनवाई के दौरान 6 अक्टूबर 2017 को केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने को कहा था. याचिकाकर्ता ने कहा है कि लॉ कमिशन ने 187 रिपोर्ट में मौत की सजा पाए मुजरिमों को फांसी पर लटकाने के वर्तमान तरीके के खिलाफ सिफारिश की थी. लॉ कमिशन की 187 रिपोर्ट को याचिका का आधार बनाते हुए फांसी पर लटकाए जाने की मौजूदा प्रक्रिया में बदलाव की गुहार लगाई गई है. सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल करने वाले वकील रिषि मल्होत्रा की ओर से कहा गया है कि संविधान के आर्टिकल-21 के तहत जीवन जीने का अधिकार है और इसी अधिकार में मौत की सजा की स्थिति में सम्मानजनक तरीके से अमल का अधिकार भी शामिल है.

3 साल में 39% भारतीय परिवार ऑनलाइन धोखाधड़ी के शिकार

नई दिल्ली. 39% भारतीय परिवार बीते तीन वर्षों के दौरान किसी न किसी ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी के शिकार बने हैं. इनमें सिर्फ 24% परिवारों को ही उनका पैसा वापस मिल पाया. सर्वे एजेंसी 'लोकल सर्कल्स' की जारी रिपोर्ट में यह दावा किया गया है. इस सर्वे में 30% ने माना कि उनके परिवार का कम से कम एक सदस्य ऐसे ऑनलाइन फाइनैंशल फ्रॉड का शिकार बना. वहीं, 9% परिवार तो ऐसे रहे, जिनके कई सदस्य वीते तीन वर्षों में ऐसी धोखाधड़ी का शिकार बने.

सर्वे में 23% लोगों ने कहा कि वे क्रेडिट या डेविट कार्ड धोखाधड़ी का शिकार बने. इसमें 13% का कहना था कि उन्हें खरीद, बिक्री और क्लासीफाइड वेबसाइट यूजर्स से धोखा मिला. सर्वे में 13% का कहना था कि वेबसाइट ने पैसा तो ले लिया, लेकिन सामान नहीं भेजा. जबकि 10% ने कहा कि हम ATM कार्ड धोखाधड़ी का शिकार बने. अन्य 10% ने कहा कि हमारे बैंक खाते के साथ धोखाधड़ी की गई. वहीं 16% ने बताया कि उनको कुछ अन्य तरीके अपनाकर चूना लगाया गया. सर्वे में 57% ऐसे भी थे, जो न तो खुद ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी का शिकार बने, न ही उनके परिवार का कोई भी सदस्य ऐसी धोखाधड़ी का शिकार हो पाया. चार प्रतिशत ने इस वारे में स्पष्ट राय नहीं बताई. सर्वे में देश के 331 जिलों के 32,000 लोगों की राय ली गई. इनमें 66% पुरुष और 34% महिलाएं थीं.

AIIMS तैयार करेगा रोबोटिक सर्जन

नई दिल्ली. देशभर में रोबोटिक सर्जन की कमी को पूरा करने के लिए अब एम्स ने पहल की है. इसके तहत एम्स ने अपने यहां सर्जरी का कोर्स कर रहे रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए रोबोटिक सर्जरी की ट्रेनिंग अनिवार्य कर दी है. इसके लिए मंगलवार को एम्स में रोबोटिक ट्रेनिंग प्रोग्राम लॉन्च किया गया है

एम्स के अकैडमिक डीन डॉक्टर मीनू वाजपेयी ने कहा कि चाहे चीरा लगाकर सर्जरी की जाए, लेप्रोस्कोपिक तरीके से की जाए या फिर रोवोट से की जाए, सर्जरी वही होती है. लेकिन जब किसी को चीरा लगाया जाता है, तो उसका हॉस्पिटल स्टे बढ़ जाता है. चीरा को सूखने में समय लगता है. इस दौरान इन्फेक्शन का खतरा रहता है. मरीज को हाई डोज एंटीबायोटिक देना पड़ता है. दर्द ज्यादा होता है, ब्लड लॉस ज्यादा होता है. लेकिन जब यही सर्जरी रोबोट से की जाती है, तो रिकवरी बहुत फास्ट होती है. मरीज 14 दिन के बजाए दूसरे दिन ही घर चला जाता है. इससे सर्जरी में चार गुणा तेजी आ सकती है. वेटिंग कम हो सकती है. डॉक्टर मीनू ने कहा कि अब धीरे-धीरे पूरे देश में हॉस्पिटल और वेड्स बढ़ रहे हैं, लेकिन इसका फायदा कम हो रहा है, चूंकि अभी देश में रोबोटिक सर्जन कम हैं. ट्रेनिंग के लिए डॉक्टरों को देश से बाहर जाना होता है या फिर अपनी पढ़ाई बीच

में रोक कर दूसरे सेंटर में जाना होता है. चूंकि एम्स का पहला मकसद तो मेडिकल टीचर्स तैयार करना है, इसलिए मिनिस्ट्री की पहल पर एम्स के सभी रेजिडेंट डॉक्टरों को, जो अलग-अलग विभाग की सर्जरी में हैं, उन्हें यहां पर रोवोट से सर्जरी की ट्रेनिंग दी तो इसकी कीमत भी कम होगी.

ये हैं इसके फायदे

रोबोटिक सर्जरी से मरीज की रिकवरी बेहद फास्ट हो जाती है. जहां नार्मल तरीके से चीरा लगाकर सर्जरी के बाद पेशंट को ठीक होने में करीब दो हफ्ते लगते हैं तो वहीं रोबोटिक सर्जरी से ऑपरेशन होने पर मरीज को दूसरे दिन ही छुट्टी मिल जाती है. रोबोटिक सर्जरी में सर्जरी के दौरान संक्रमण का खतरा भी कम रहता है. अगर देश में बड़े पैमाने पर इस तकनीक का इस्तेमाल किया जाए तो सर्जरी की तादाद में 400% की तेजी आ सकती है.

आठ साल में गोल्ड बॉण्ड ने दिया है 13.7% का रिटर्न

रायपुर. सॉवरेन गोल्ड बॉण्ड (SGB) ने अपने आठ वर्ष के सफर में निवेशकों को अच्छा खासा रिटर्न दिलाया है. इकनामिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताविक नवंबर 2015 से इसकी शुरुआत होने के बाद से सरकार की तरफ से इसकी 66 किस्तें जारी की जा चुकी है. यदि किसी इन्वेस्टर ने इन सभी में पैसा लगाया होता तो उन्हें सालाना आधार पर औसतन 13.7% की कमाई हुई होती. वेल्थ एडवाइजरों का कहना है कि ग्लोवल इकानमी में मची उथल-पुथल के बीच इस अवधि में सोने की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है जिसके कारण निवेशकों के रिटर्न में इजाफा हुआ है.

कैसे करें खरीदारी ?

निवेशक सरकार की ओर से घोषित पब्लिक इश्यू के जरिए SGB खरीद सकते हैं. इसके अलावा शेयर बाजार में लिस्टेड SGB भी खरीद सकते हैं. यहां कुछ लोग गोल्ड की मौजूदा कीमत से कम पर भी इसकी ट्रेडिंग कर रहे होते हैं. हालांकि, इस विकल्प की गुंजाइश न के बराबर ही होती है. पिछले वित्त वर्ष में सरकार SGB के चार इश्यू लाई थी. को सोने की कीमत के आधार पर उनका पैसा वापस मिल जाएगा. इस बीच इसने अब तक लगभग 125% का रिटर्न दिया है. एक SGB एक ग्राम सोने के बराबर है और एक वित्त वर्ष में इसकी ऊपरी सीमा चार किलोग्राम होती है.

गोल्ड फंडों या ETF की तुलना में टैक्स लाभ के कारण कई अमीर निवेशकों ने SGB में पैसा लगाया है. मनी हनी फाइनैंशल सर्विसेज के MD अनूप भैया कहते हैं, आठ साल बाद मच्योरिटी पर कैपिटल गेन टैक्स फ्री होता है. इसके अलावा, सरकार बॉण्ड के मूल्य पर 2.5% व्याज का भुगतान करती है, जबकि इसमें किसी तरह का एक्सपेंस रेशो भी नहीं देना होता है. साथ ही सोने की शुद्धता आदि.

सोने की कीमत पर SGB के पहले आठ साल के इश्यू को सब्सक्राइव किया था. साल नवंबर में पूरी हो जाएगी तव निवेशकों भी सुविधा होती है.

पशुपालकों के लिए खुशखबरी, सरकार दे रही 3 लाख रुपये, जानिए कैसे उठाएं लाभ ?

किसानों की आर्थिक मदद के लिए केंद्र सरकार किसान क्रेडिट कार्ड योजना चला रही है. इसके माध्यम से किसानों को सस्ती दरों पर नकदी उपलब्ध कराई जाती है. किसान क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ गाय-भैंस या अन्य कोई पशुपालन करने वाले, मत्स्य पालन करने वाले या डेयरी किसानों को भी मिलेगा. योजना के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए देशव्यापी अभियान चलाया जा रहा है.

किसानों के हित में संचालित किसान क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ देने के लिए पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मत्स्य विभाग एवं वित्तीय सेवा विभाग द्वारा दिनांक 1 मई 2023 से 31 मार्च 2024 तक देशव्यापी किसान क्रेडिट कार्ड अभियान चलाया जा रहा है. अभियान के माध्यम से किसानों, पशुपालकों, मछली पालकों, डेयरी किसानों को केसीसी के लाभ बताए जा रहे हैं.

सरकार केसीसी के जरिए 3 लाख रुपये दे रही

बड़ी संख्या में किसान केसीसी सुविधा का लाभ उठा रहे हैं. किसान क्रेडिट कार्ड का लाभ 18 से 75 वर्ष के बीच का कोई भी व्यक्ति उठा सकता है. इस योजना के तहत कई प्रकार के कृषि संबंधी कार्यों के लिए खाद, बीज, कृषि यंत्र, मछली पालन, पशुपालन के लिए दिया जाता है. किसान क्रेडिट कार्ड योजना में 3 लाख रुपये तक की राशि ली जा सकती है.

केसीसी से प्राप्त करने पर मात्र 4 प्रतिशत ब्याज दर

किसानों को साहूकारों से बचाने एवं आवश्यकता पड़ने पर किसान क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से सस्ती ब्याज दर एवं आसान किश्तों पर ऋण की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है. किसान क्रेडिट कार्ड पर अधिकतम 3 लाख रुपये की राशि दी जा रही है, जिस पर कुल 7 प्रतिशत की ब्याज दर लागू है, लेकिन समय पर किस्त लौटाने वाले किसानों को सरकार ब्याज दर में 3 प्रतिशत की छूट देती है. . इस तरह 3 लाख रुपये पर ब्याज दर महज 4 फीसदी है.

किसान क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन कैसे करे

किसान क्रेडिट कार्ड योजना को लोगों तक पहुंचाने के लिए इसे पीएम किसान योजना से जोड़ा गया है. किसान क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन करने के इच्छुक किसान पीएम किसान वेबसाइट से केसीसी फॉर्म डाउनलोड कर सकते हैं. या आवेदक सीधे एसबीआई बैंक की निकटतम शाखा में जाकर भी क्रेडिट कार्ड योजना के लिए आवेदन कर सकता है.

आवेदन के लिए किसान को आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो के अलावा खेती संबंधी दस्तावेजों की कापी जमा करनी होगी. आवेदक फॉर्म में मांगी गई जानकारी भरकर नजदीकी एसबीआई शाखा में जमा कर योजना का लाभ उठा सकते हैं.

टाटा ने फिर बढ़ाए कारों के दाम पंच, नेक्सन, अल्ट्रोज हुई महंगी

टाटा मोटर्स ने मई 2023 से अपनी कारों के दाम बढ़ा दिए हैं. ये साल में तीसरी बार है जब कंपनी ने गाड़ियों की कीमत में बढ़ोतरी की है. कंपनी ने पेट्रोल-डीजल और छ्ळ से चलने वाली कारों की बढ़ाई है. वहीं इसके इलेक्ट्रिक वीइकल्स के दाम जस के तस हैं. टाटा के कारों की कीमत में 5000 रुपये से लेकर 15,000 रुपये तक की वृद्धि की गयी है. कीमतों में की गई ये बढ़ोतरी मॉडल और वेरिएंट के हिसाब से अलग-अलग है. कंपनी का कहना है कि नए ठै6 नॉर्म्स की वजह से इनपुट कॉस्ट बढ़ी है, जिसका असर कीमतों पर पड़ा है.

यहां जानिए टियागो, टिगोर, अल्ट्रोज, पंच, नेक्सॉन की नई कीमतें–

Tata Tigor Price

टिगोर की कीमत में 6,000 से 10,000 रुपये तक की बढ़ोतरी हुई है. इसकी शुरुआती कीमत पहले 6.20 लाख थी, जो अब 6.30 लाख हो गई है. हालांकि इसके XZ+LP वेरिएंट के दाम नहीं बढ़े हैं.

Tata Tiago Price

टाटा टियागो की कीमत 6,000 रुपये बढ़ी है. इसकी शुरुआती कीमत अब 5.60 लाख हो गई है. हालांकि इसका XTO वेरिएंट अब भी 6 लाख में मिल रहा है. वहीं इसके दाम 8.01 रुपये तक जाते हैं. दाम बढ़ने का असर CNG वेरिएंट पर भी पड़ा है.

Tata Altroz Price

वहीं टाटा के प्रीमियम हैचबैक अल्ट्रोज की कीमत में 5,000 रुपये से लेकर 15,000 रुपये की वृद्धि की गयी है. अल्ट्रोज पेट्रोल मॉडल की कीमत 6.60 – 9.80 लाख रुपये, अल्ट्रोज डीजल की कीमत 8.15 – 10.50 लाख रुपये, अल्ट्रोज डीसीटी की कीमत 8.55 – 10.00 लाख रुपये है.

Tata Nexon Price

टाटा की सबसे लोकप्रिय व अधिक बिकने वाली वाली नेक्सन की बात करें तो इसकी कीमत में 5000 रुपये से लेकर 15,000 रुपये की वृद्धि की गयी है. नेक्सन पेट्रोल मैन्युअल की कीमत 7.80 – 12.45 लाख रुपये, नेक्सन पेट्रोल एएमटी की कीमत 9.55 – 13.10 लाख रुपये है. वहीं नेक्सन डीजल मैन्युअल की कीमत 10.00 – 13.85 लाख रुपये तथा नेक्सन डीजल एएमटी की कीमत 11.45 – 14.50 लाख रुपये है. कंपनी ने नए बीएस6 फेज 2 मानक की वजह से कीमत वृद्धि की है जो कि 1 अप्रैल 2023 से लागू हुई है.

Tata Punch Price

टाटा पंच के प्योर और प्योर+रिदम पैक वाले वेरिएंट के दाम नहीं बढ़े हैं. यानी इसकी शुरुआती कीमत अब भी 6 लाख रुपये ही है. इसके अलावा माइक्रो SUV के सभी वेरिएंट्स 5,000 रुपये महंगे हुए हैं.

इस वजह से बढ़े दाम

आपको बता दें कि टाटा मोटर्स ने बीते फरवरी में भी अपनी पैसेंजर गाड़ियों की कीमत में बढ़ोतरी का ऐलान किया था. वहीं, एक अप्रैल 2023 से कंपनी ने कॉमर्शियल वीइकल्स के दाम में भी 5 फीसकी तक की बढ़ोतरी की घोषणा कर दी थी. अब एक मई से फिर टाटा की कारों और एसयूवी के दाम बढ़ा दिए गए हैं और इसका सीधा असर ग्राहकों पर पड़ने वाला है. टाटा मोटर्स का कहना है कि रेगुलेटरी चेंज और इनपुट कॉस्ट बढ़ने की वजह से कॉमर्शियल वाहनों की कीमत में मामूली रूप से वृद्धि की जा रही है.

श्रीमती तेजकुंवर नेताम
अध्यक्ष

छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग

"बच्चे पिटाई से नहीं बल्कि अनुभव से सीखते हैं.."

बच्चों को क्रोध या आवेश में आकर, शारीरिक प्रताड़ना ना दें।
बच्चों से गलती होने पर उनसे,

चर्चा करें,
कारण समझें,
समाधान करें।

Don't React Just Respond

संदर्भ : निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 17 के अंतर्गत बच्चों के शारिरिक दण्ड और मानसिक उत्पीड़न का प्रतिषेध एवं अनुशासनिक कार्यवाही का प्रावधान किया गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा बालहित में जारी

प्लाट नं. 11 ब्लॉक नं. 10/8, रायगढ़ बाड़ा, सिविल लाईन्स, रायपुर (छ.ग.)
सम्पर्क 0771-2420093, 94, 95 टोल फ्री : 1800-233-0055
cgscpcr@gmail.com www.cgscpcr.com

बिजली खर्चे की चिंता दूर
महंगाई में बचत भरपूर

400 यूनिट

पर बिजली बिल हाफ

3767 करोड़ रुपये

की 42.16 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को बचत

- **18 लाख** गरीब परिवारों को प्रतिमाह **30 यूनिट** तक नि:शुल्क बिजली
- अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग के किसानों को **नि:शुल्क** बिजली
- **6 लाख** किसानों को 5 हार्सपावर तक के सिंचाई पंप के उपयोग पर **नि:शुल्क** या **रियायती दरों** पर बिजली
- स्टील उद्योगों को विद्युत **दरों** और **शुल्क** में छूट

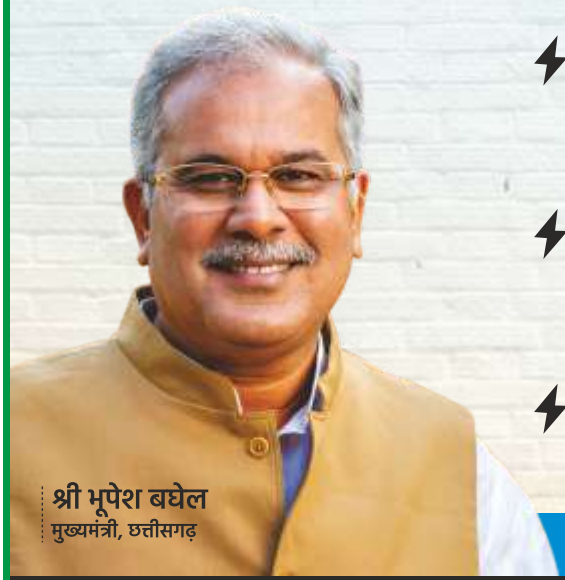

श्री भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ सरकार - भरोसे की सरकार

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprCg.gov.in

R.O. No. - 12446/112